जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, बुधवार 27 सितम्बर, 2023

4 लोग क्या कहेंगे?

4 दिन में अगर 5 लाख का फायदा Miss करेंगे!

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL 1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		अगस्त की रेट	सितम्बर की रेट	अक्टूबर की रेट	नवम्बर की रेट	दिसम्बर की रेट	जनवरी की रेट	पजेशन की रेट	POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज	NPO New Product Offer	+5%	+10%	+15%	+20%	+25%	+50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

दान-पुण्य केवल परलोक में सुख देता है पर योग्य संतान सेवा द्वारा इहलोक और तर्पण द्वारा परलोक दोनों में सुख देती है।

–कालिदास

सबको शिक्षा का लक्ष्य क्या मरीचिका ही बना रहेगा!

पिछले दिनों जयपुर में सबको झकझोर देने वाला एक व्याख्यान हुआ जो देश में प्रचलित शिक्षा व्यवस्था पर एक शिक्षाविद् की बेलाग टिप्पणी थी। दुर्भाग्य से आज के प्रायोजित और प्रचारतंत्र द्वारा प्रसारित आयोजनों की चकाचौंध में अकादमिक ऊर्जा लिए हुए ऐसे कार्यक्रम अनदिखे रह जाते हैं। यह व्याख्यान भारत में बुनियादी शिक्षा के विकास और प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए यूनेस्को एविसेना गोल्ड मेडल से सम्मानित तथा नागरिक सम्मान 'पद्मभूषण' से अलंकृत अनिल बोर्दिया की स्मृति में शिक्षाविद् आर. गोविंदा ने दिया था।

आज़ादी के 75 साल बाद भी सबको शिक्षा देने का लक्ष्य न पा सकने का बुनियादी सवाल ही व्याख्यान में खड़ा नहीं किया गया बल्कि यह भी स्थापित किया गया कि स्वतंत्र भारत में लुभावनी शब्दावली वाली नीतियां तो खूब बनाई गई, लेकिन व्यवहार, अवधारणा और परिपेक्ष्य को नहीं बदला गया। शिक्षाविद् का यह तंज़ भी था कि उपनिवेशवादी हमें छोड़ कर चले गए, मगर हमारी उपनिवेशवादी मानसिकता नहीं बदल पाई। वह यहां तक कह गया कि उपनिवेशी काल का मैकाले तो नहीं रहा, लेकिन इस देश में मैकालेवाद अब भी जीवित है और फल-फूल रहा है।

सबको शिक्षा के लिए संघर्ष सौ साल से भी पुराना है, जब गोपालकृष्ण गोखले ने 1910-1911 में ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां सभी बच्चे पढ़ने-लिखने में सक्षम होंगे। तब प्राथमिक विद्यालयों में केवल 15 प्रतिशत बच्चे नामांकित थे और देश की साक्षरता सिर्फ छह प्रतिशत थी। गोखले ने इंपीरियल असेंबली में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा शुरू करने की वकालत करते हुए कहा था कि ऐसा करके अगले दो दशकों में सबको शिक्षा का लक्ष्य हासिल करना संभव होगा। लेकिन उपनिवेशवादी शासकों ने उनके प्रस्ताव को अव्यावहारिक और अनावश्यक मान कर खारिज कर दिया। फिर 40 साल के बाद 1950 में जब भारत गणराज्य का संविधान बनाया गया तब उसमें देश के सभी बच्चों के लिए मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत के रूप में अपनाया गया। तब देश में साक्षरता लगभग 18 प्रतिशत थी और करीब 40 प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन था। सबको शिक्षा का लक्ष्य हासिल करने की संविधान में दस साल की सीमा निर्धारित की गई। मगर उस समय सीमा में वह लक्ष्य नहीं पाया जा सका। इसके 60 साल बाद 2010 में सामाजिक न्याय के सिद्धांत के अनुरूप बच्चों की शिक्षा को मौलिक अधिकार घोषित किया गया और शिक्षा के बुनियादी अधिकार का कानून बना जिसमें सबको प्राथमिक शिक्षा दे देने के लिए पांच साल की समय सीमा रखी गई। वह समय सीमा भी वर्षों पहले बीत चुकी है। हम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कहती है कि हम लर्निंग क्राइसिस में फंसे दिख रहे हैं।

कहते हैं अपर्याप्त वित्तपोषण तथा कार्यान्वयन में अक्षमता इसका कारण है, लेकिन वास्तव में इसके मूल में संरचनात्मक सुधारों की हमारी अनिच्छा है। यह अनिच्छा 75 सालों से बनी हुई है। हम जीवन में व्यक्तिगत प्रगति के लिए शिक्षा का सीढ़ी के रूप में उपयोग करते हैं।

यह सीढ़ी इतनी मजबूत होनी चाहिए कि ऊपर चढ़ने की कोशिश कर रहे लोगों का बोझ वहन कर सके। हमारी स्कूल प्रणाली वास्तव में बढ़ते बोझ को उठाने में असमर्थ है। स्कूल में न्यूनतम भौतिक बुनियादी ढांचे और शैक्षिणक संसाधनों के संदर्भ में क्या होना चाहिए यह अपरिभाषित ही रहा। 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' में इसकी कोशिश की गई लेकिन वह आगे नहीं चला। आखिर में यह काम शिक्षा के अधिकार कानून ने किया। इसमें प्रत्येक स्कूल की आवश्यकताओं को परिभाषित किया गया। किन्तु दुर्भाग्य से भारत में आज 15 लाख स्कूलों का केवल छोटा सा प्रतिशत ही उस कानून में निर्दिष्ट प्रावधानों के अनुरूप सुविधाएं पा रहा है। समस्या का समाधान न तो अज्ञात है और न ही अव्यावहारिक है। हमारे पास देश के प्रत्येक स्कूल का डेटा है। हम स्कूल को सुधारना भी चाहते हैं। मगर गरीबों के प्रति शासन और समाज की उदासीनता के कारण यह नहीं हो पा रहा है। सामान्य सरकारी स्कूलें उपेक्षा की शिकार रहती हैं। स्कूल में होने वाली लगभग हर गतिविधि शिक्षा अधिनियम या शिक्षा संहिताओं तथा राज्य सरकारों द्वारा बनाये गए नियमों और विनियमों से चलती है, मगर नियमों की पालना के लिए बारीकी से निगरानी नहीं की जाती। अधिकांश प्राथमिक विद्यालयों का न तो मार्गदर्शन होता है और न परिवीक्षण होता हैं। वे बिना पतवार के जहाज की भांति चलते हैं। ऐसे में अगर कुछ बच्चे पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं या कक्षाओं में आगे बढ़ कर भी मुश्किल से पढ़ना और गणना सीख पाते हैं तो क्या आश्चर्य है। शासन की उदासीनता के कारण कुछ शिक्षक नियमित रूप से स्कूल नहीं जाने के अभ्यस्त हो जाते हैं।

स्कूल को स्थानीय संस्कृति व परंपराओं, व्यावसायिक संबद्धताओं आदि का प्रतिनिधित्व करने वाला सूक्ष्म जगत बताया जाता है। स्कूल प्रणाली जाति, वर्ग, धर्म, भाषा क्षेत्र और लिंग के विभाजन के विविध सामाजिक परिवेश में कार्य करती है, मगर उस प्रणाली से अपेक्षा की जाती है कि वह सीखने के लिए वैसा वातावरण बनाये जो ऐसे विभाजनों के हानिकारक प्रभावों से विद्यार्थियों को बचाये।

कुछ उद्यमी शिक्षकों द्वारा अपनी जगह अन्यों को पढ़ाने भेज देने की खबरें भी आती हैं। स्वामित्व और जवाबदेही का मजबूत तंत्र एकदम गायब है। सभी सर्वे रिपोर्टें यही बताती है कि बच्चों ने स्कूलों में आठ साल पूरे कर लिये परंतु वे दूसरी के स्तर का भी पढ़-लिख नहीं पाते। यह सुनिश्चित ही नहीं किया जाता कि स्कूलों में शिक्षण नियमित रूप से हो, बच्चे प्रतिदिन सीखने के लिए पर्याप्त समय के लिए आयें, और शिक्षक शिक्षण संबंधी गतिविधियों के लिए स्कूल में पर्याप्त समय दें। स्कूलों में शिक्षण मजबूत करने के लिए पेशेवर शिक्षकों समुदाय ही नहीं है। दुर्भाग्य से पिछले बीस साल में अपनाई गई नीतियों ने शिक्षक समुदाय को विखंडित कर दिया है। उन नीतियों ने शिक्षक की व्यावसायिक पहचान को भी पूरी तरह नष्ट कर दिया है। शिक्षकों के शिक्षण का काम पूरी तरह निजी व्यावसायिक संस्थानों के हाथों में छोड़ दिया गया है।

स्कूल को स्थानीय संस्कृति व परंपराओं, व्यावसायिक संबद्धताओं आदि का प्रतिनिधित्व करने वाला सूक्ष्म जगत बताया जाता है। स्कूल प्रणाली जाति, वर्ग, धर्म, भाषा क्षेत्र और लिंग के विभाजन के विविध सामाजिक परिवेश में कार्य करती है, मगर उस प्रणाली से अपेक्षा की जाती है कि वह सीखने के लिए वैसा वातावरण बनाये जो ऐसे विभाजनों के हानिकारक प्रभावों से विद्यार्थियों को बचाये। लेकिन सामाजिक और आर्थिक आधार पर लोगों को विभिन्न श्रेणियों में फिट कर देने की समस्या स्कूलों में संस्थागत हो गई है। मैकाले का मुख्य सिद्धांत स्कूलों और जन-समूहों के बीच विभाजन करना था। भारतीय अभिजात्य वर्ग और बुद्धिजीवियों ने मैकाले की शिक्षा व्यवस्था के प्रस्ताव का कडा विरोध किया था, लेकिन विडंबना यह है कि मैकाले प्रणाली की अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में अभिजात्य वर्ग और बुद्धिजीवियों के बच्चों का ही नामांकन तेजी से बढ़ा है। स्थानीय भाषाओं के प्राथमिक स्कूल जिन्हें गरीबों की शिक्षा पूरी करनी थी वे उपेक्षित रहे हैं। शिक्षाविद् उचित ही सवाल उठा रहे हैं कि क्या हम अब मैकालेवाद को अधिक प्रतिबद्धता के साथ पुनर्जीवित नहीं कर रहे हैं?

बहुधा इसका दोष महत्वाकांक्षी पाठ्यक्रम निर्माताओं पर डाल दिया जाता हैं, तो कभी सुविधाओं की कमी और शिक्षकों की गैर-जिम्मेदारी को कारण बता दिया जाता है और कभी प्रशासन की उदासीनता को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। लेकिन, जैसा कि यशपाल कमेटी ने कहा था कि हम सिर्फ बाहरी अभिव्यक्तियां देख रहे हैं, हम शिक्षा व्यवस्था की अंतर्निहित अस्वस्थता के बारे में नहीं सोचते। हमारी सामाजिक कुरीतियां स्कूली व्यवस्था में घर कर गई है। समाजशास्त्रीय भाषा में कहें तो यह कुलीन विद्यालय बनाम छोटे विद्यालय की विकृति हैं। कुलीन स्कूल वे हैं जिनमे बच्चे तीन साल या छह साल की उम्र में प्रवेश लेते हैं और 18 साल की उम्र में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करते हुए शैक्षिक सीढ़ी पर आसानी से ऊपर चढ़ते चले जाते हैं। कुलीन वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा लगभग एक मानक हो गई है।

उनके अधिकांश स्कूल केन्द्रीय विद्यालयों के बराबर हैं। पूरे देश में ऐसे 25,000 स्कूल हैं। राज्य बोर्डों के भी कुछ स्कूल इनमें जोड़ दें तो भी उनकी कुल संख्या एक लाख से ज्यादा नहीं होगी। दूसरी ओर 14 लाख छोटे स्कूल ऐसे हैं जिनमें अधिकांश बच्चे प्राथमिक स्तर से आगे नहीं बढ़ पाते हैं। छोटे स्कूल संसाधनों की दृष्टि से कुलीन स्कूलों से बिल्कुल विपरीत हैं। यह विभाजन केवल इमारतों या संसाधनों का नहीं है। यह विभाजन स्कूल निर्माण से लेकर पाठ्यक्रम निर्माण और मूल्यांकन तक शिक्षा के हर पहलू में व्याप्त है। मीडिया का और प्रशासन का ध्यान हमेशा बड़े स्कूलों पर ही होता है। सार्वजनिक शिक्षा की समस्या कुलीनों की नहीं है। सार्वजनिक शिक्षा के लिए संघर्ष छोटे स्कूलों को ही करना होता है। इस समाजशास्त्रीय दरार पर प्रशासन मूक दर्शक बना रहता है। इससे देश के आम अभिभावकों के साथ न केवल नैतिक रूप से दुर्भाव होता है बल्कि झूठे तर्क से उन पर बौद्धिक कुठाराघात भी होता है। हमें स्कूली शिक्षा के उद्देश्य की एक साझा दृष्टि तैयार करनी होगी जहां बच्चों को एक सामंजस्यपूर्ण तथा अन्योनाश्रित सदस्य के रूप में खुद की कल्पना करने के लिए तैयार किया जा सके। असफलताओं के बावजूद यह आशावाद बनाए रखना है कि सभी के लिए शिक्षा के लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। आशावाद का स्त्रोत हमें सामान्य लोगों के बदलते परिपेक्ष्य में दिखता है। आज सबसे गरीब व्यक्ति भी व्यक्तिगत प्रगति के लिए स्कूली शिक्षा को एक आवश्यक शर्त मानता है। सीमित आर्थिक संसाधनों और कोई सामाजिक पूंजी न होने के बावजूद भारत के लोगों ने अपने बच्चों के भविष्य के निर्माण के लिए स्कूली शिक्षा को अपनाया है। उनका यही भरोसा हमारी आशा को बल देता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

यू.जी.सी. से प्रताड़ित खुले विश्वविद्यालय

प्रो.कैलाश सोडाणी

दुनियां में दूरस्थ शिक्षा का प्रादुर्भाव प्रतिभावान एवं गरीब एकलव्य की शिक्षण व्यवस्था से होता है। आज भी इस व्यवस्था से अधिकाधिक होनहार गरीब विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में निर्धारित 2035 तक उच्च शिक्षा में नामांकन को 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक पहुँचाने के लक्ष्य को दूरस्थ शिक्षा अर्थात खुला विश्वविद्यालयों के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकेगा। खुला विश्वविद्यालयों के माध्यम से उच्च शिक्षा की सर्वजन सुलभता सम्भव है। आज दूरस्थ शिक्षा दूरदराज गाँव में बैठे व्यक्ति, गृहणियों, रोजगार में व्यस्त लोगों तक ही सीमित नहीं रही है। अपितु आम विद्यार्थी एवं नागरिक भी उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा हमारे देश की अर्थव्यवस्था के भी अनुकूल है। हमारे बजट का मात्र लगभग 3 प्रतिशत हिस्सा ही शिक्षा पर खर्च हो रहा है, 6 प्रति तक करने का लक्ष्य है। अर्थात देश की शैक्षणिक संस्थाएँ आर्थिक संकट में काम कर रही है। यहाँ यह चर्चा भी आवश्यक है कि देश के बजट का 94 प्रति हिस्सा उन केन्द्रीय शिक्षण संस्थाओं पर खर्च हो रहा है जहाँ मात्र 6 प्रति विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। शेष शिक्षण संस्थाओं पर जिनमें 94 प्रति विद्यार्थी हैं, वहाँ मात्र 6 प्रतिशत खर्च हो रहा है। बजट की कमी से राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों एवं कालेजों में शिक्षकों की भारी कमी है। प्रयोगशालाएँ तथा पुस्तकालय खाली पडे हैं। ऐसे परम्परागत एवं रेगूलर कालेजों में प्रवेशित विद्यार्थियों को शिक्षकों के अभाव में ज्ञान के नाम पर क्या मिल रहा है ? कुछ नहीं, केवल समय बर्बाद कर रहे हैं। शिक्षकों के अभाव में संचालित विश्वविद्यालय एवं कॉलेज मूलत: रेगुलर टीचिंग के नाम पर विद्यार्थियों को खुले आम धोखा दे रहे हैं। इस स्थिति के बावजूद भी देश में उच्च शिक्षा का सुप्रिमों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली शान्त भाव से, आँखें बन्द कर के, चिरनिद्रा में बैठा है।

रेगुलर कालेज और विश्वविद्यालय को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता रहती हैं। प्राय: राज्य सरकारें तो आर्थिक दृष्टि से बडी तंग हालात में ही रहती है। ऐसी स्थिति में उच्च शिक्षा के व्यापक विस्तार के लिए राज्य सरकारों के पास खुला विश्वविद्यालय ही श्रेष्ठ विकल्प है। विज्ञान के आशीर्वाद से संचार जगत में क्रान्तिकारी परिवर्तनों से दुनियाँ डिजिटल वर्ल्ड में बदल गयी है। केवल संवाद ही नहीं व्हाट्सएप, गूगल, ट्विटर फेसबुक आदि से जैसे ज्ञान की बाढ आ गयी है। नई पीढी गुरु से ज्यादा गूगल पर आश्रित हो गई है। विद्यार्थी ज्ञान के अमृत्व को क्लास रूम में नहीं वरन् व्हाट्सएप और ट्विटर पर तलाश रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन बैंकिंग, ऑनलाइन ऑफिस, ऑनलाइन फूड एवं टैक्सी के युग में ऑनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा की ओर हमें तेजी से बढ़ना होगा।

गांव एवं खलिहान में काम करने वाले गरीब तथा महिलाओं को उच्च शिक्षा से जोडने में खुले विश्वविद्यालयों की भूमिका सराहनीय रही है। उच्च शिक्षा में कुल नामांकन में 11 प्रतिशत का योगदान खुला विश्वविद्यालयों का है। जबकि देश में लगभग 110॰प्रतिशत विश्वविद्यालयों में राजकीय खुले विश्वविद्यालयों की संख्या मात्र 18 है।

इस दृष्टि से हमें खुला विश्वविद्यालय की कार्यपद्धति को सरल एवं सुगम बनाना चाहिये। जबकि धरातल पर उल्टा हो रहा है। आज की स्थिति में अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूँ कि खुला विश्वविद्यालय की तुलना में नियमित विश्वविद्यालय की कार्य पद्धति बहुत ही सरल एवं सुगम है। देश में नियमित विश्वविद्यालय पूर्ण स्वायत्तता के साथ शानदार गति से संचालित हो रहे हैं। दो विभिन्न नियमित विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर कार्य करते हुए मुझे किसी भी पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने अथवा छात्रों के प्रवेश को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दरवाजे खटखटाने की आवश्यकता ही नहीं हुई। इस दृष्टि से नियमित विश्वविद्यालयों को पूर्ण स्वायत्तता थी और आज भी है। नई शिक्षा नीति में तो स्वायत्तता तक को स्वायत्तता प्रदान करने की अनुशंसा की गयी है। दूसरी ओर खुले विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता तो दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के पास गिरवी रखी है। मेरा तो यह भी मानना है कि दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के अमर्यादित नियंत्रण की कार्य पद्धति को देखते हुए देश के स्टेट खुला विश्वविद्यालयों में कुलपति पद ही समाप्त कर देना चाहिए।

मुझे खुला विश्वविद्यालय में कार्य करते हुए मात्र 10 माह ही हुए हैं। अनुभव कह रहा है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेब) 2017 या 2020 विनियमन के कारण पढ ाई लिखाई बन्द हो गयी। मैं और मेरे अध्यापक साथी कभी दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (डेब) का तो, कभी नैक का आवेदन फॉर्म भरने में ही रात-दिन लगे हुए हैं। पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु प्रत्येक पाँच वर्ष में हजारों दस्तावेजों के साथ फार्म भरिये, अनुमति लीजिए अन्यथा प्रवेश पर रोक के लिए तैयार रहिये। 30 जून 2023 तक नैक की कोई सी भी ग्रेड प्राप्त कर लीजिये अन्यथा प्रवेश बन्द। यह क्या मजाक हो रही है? देश में इस सत्र में पाँच राजकीय खुला विश्वविद्यालयों में नैक ग्रेड के अभाव में दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो प्रवेश पर ताले लगा चुकी है। लोकसभा में 12 फरवरी, 2023 को शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार ने जो जानकारी प्रदान की, उसके अनुसार देश में अभी तक 62 प्रतिशत विश्वविद्यालयों और 78 प्रतिशत कॉलेजों ने नैक से मान्यता प्राप्त नहीं की है। तो फिर देश के इन 18 खुला विश्वविद्यालयों पर ही 30 जून 2023 तक नैक की मान्यता का डंडा क्यों लगा रखा है? बार-बार, हर बात में प्रवेश बन्द करने की धमकी देना कहाँ तक न्यायसंगत है। प्रश्न यह उठता है कि नियमित विश्वविद्यालयों के लिए 30 जून,23 तक नैक ग्रेड प्राप्त करने की बाध्यता क्यों नहीं है ? दूसरा पक्ष ओर देखिये कि स्वयं नैक की कार्यपद्धति समयबद्ध नहीं है। चार माह का काम 12 माह में हो रहा है। फिर भी यू॰जी॰सी॰शांत है।

देश में कार्यरत सभी राजकीय विश्वविद्यालय वहाँ की विधान सभा से पारित एक अधिनियम के तहत बनता है और चलता है। अधिनियम में विश्वविद्यालय संचालन के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज, कमेटी ऑफ कोर्सेज, विद्या परिषद, प्रबंध मंडल का गठन किया जाता है। इन सभी के ऊपर कुलाधिपति हैं। इन विभिन्न निकायों में लिए जाने वाले निर्णयों के अनुसार कुलपति विश्वविद्यालय चलाने के लिए बाध्य हैं। सम्बन्धित राज्य सरकार अधिनियम बनने के बाद भूमि भवन-शैक्षणिक-गैर शैक्षणिक कार्मिक आदि की व्यवस्था करती है। राज्य सरकार ही प्रति माह वेतन की व्यवस्था करती है। कुलपति के सामने दुविधा यह हो रही है कि विश्वविद्यालय को अधिनियम के अनुसार चलावें या दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के अनुसार। मेरे विश्वविद्यालय के अधिनियम में दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो का कहीं भी उल्लेख नहीं है।

आपकी जानकारी के लिए राजस्थान सरकार राज्य में केवल मात्र वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं की फीस का 100 प्रतिशत पुनर्भरण कर रही है। सत्र 2022-23 में हमारी राज्य सरकार ने हमारे खुला विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाली 37,560 छात्राओं की फीस का पुनर्भरण किया है। यह सुविधा राज्य के अन्य किसी नियमित विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने पर नहीं है। अर्थात हमारी राज्य सरकार खुला विश्वविद्यालय प्रणाली को किस उच्च स्तर तक प्रमोट कर रही है। दूसरी ओर दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग क्या कर रहा है ? विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उन लाखों विद्यार्थियों के बारे में क्यों नहीं सोच रहा जो अपनी उच्च शिक्षा केवल खुला विश्वविद्यालय से ही पूर्ण कर सकते हैं और करना चाहते हैं। विद्यार्थियों को बिना उनकी किसी गलती के उच्च शिक्षा से वंचित रहने की सजा क्यों दी जा रही है?

प्रत्येक खुला विश्वविद्यालय अपनी अध्ययन सामग्री देश के विभिन्न विद्वान शिक्षकों से तैयार करवाता है, जिसे अनुमोदन के लिए दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के गैर शैक्षणिक कार्मिकों के पास भेजना पडता है। शिक्षकों की इससे बडी मजाक क्या हो सकती है दूसरी ओर नियमित विश्वविद्यालयों में उपलब्ध साहित्य से ही गाडी चल रही है और अच्छी चल रही है। नियमित विश्वविद्यालयों में एक बहुत बडा वर्ग स्वयंपाठी विद्यार्थियों का है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उनके बारे में कभी चिंता व्यक्त नहीं की। परीक्षा प्रारम्भ होने से मात्र 24 घण्टे पहले तक फॉर्म भरकर परीक्षा दीजिए एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदित डिग्री लेकर पधारिये। राजस्थान में ऐसे स्वयंपाठी विद्यार्थियों की संख्या गत वर्ष लगभग 7 लाख थी।

दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो ने खुला विश्वविद्यालयों के लिए अच्छी संख्या में शिक्षकों की आवश्यकता की बाध्यता कर रखी है। शिक्षकों के पद राज्य सरकार से प्राप्त करना होता है और राज्य सरकार अपने सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए अनुमति प्रदान करती है। दूसरी ओर 7 लाख स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए एक भी शिक्षक नहीं है फिर भी शान से आगे बढ़ रहे है। राजस्थान में आज भी लगभग 6 नियमित विश्वविद्यालय ऐसे हैं जिनके पास एक भी शिक्षक नहीं है परन्तु छात्रों की संख्या लाखों में है। निजी विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली से तो पूरा देश वाकिफ है परन्तु यू.जी.सी.बेखबर है। दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से अपेक्षा तो यह थी कि ब्यूरो गरीब विद्यार्थी के हित में राज्य खुला विश्वविद्यालयों को सकारात्मक सहयोग के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। परन्तु व्यवहार में यू॰जी॰सी॰ने खुला विश्वविद्यालयों मार्ग में इतने बेरियर लगा दिए हैं जिससे ऐसा लगता है कि इनके हिडन एजेंडे में कहीं निजी विश्वविद्यालयों को आगे बढ़ाने का मंतव्य तो नहीं है ? हो सकता है मैं गलत दिशा में सोच रहा हूँ परन्तु स्थिति चिन्ताजनक तो है।

–प्रो.कैलाश सोडाणी,
कुलपति, वर्धमान महावीर
खुला विश्वविद्यालय, कोटा

शिक्षा रोजगार परक और स्वावलंबन सिद्ध होनी चाहिए : राज्यपाल कलराज मिश्र

- **गोविंद गुरु जन जातीय वि.वि. के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, संविधान उद्यान और संविधान स्तम्भ का लोकार्पण**

शहीदी मानगढ़ धाम के प्रणेता गोविन्द गिरि की प्रतिमा का अनावरण राज्यपाल कलराज मिश्र, सांसद कनकमल कटारा, राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने किया।

बांसवाड़ा, (निसं)। आजादी के बाद से अब तक हम आदिवासी एवं सामान्य वर्ग के बीच की खाई को पाट नहीं पाए हैं, ऐसे में हमें शिक्षा का ऐसा सेतु तैयार करना होगा जो इस खाई को पाट सके। ये विचार राज्यपाल कलराज मिश्र ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, संविधान उद्यान और संविधान स्तम्भ का लोकार्पण, अकादमिक भवन के शिलान्यास एवं गोविन्द गुरु की प्रतिमा के अनावरण के त्रिआयामी समारोह में व्यक्त किए। मिश्र ने कहा कि शिक्षा रोजगार परक और स्वावलंबन सिद्ध होनी चाहिए ताकि ज्ञान की सभी विद्याओं से आदिवसी शसक्तिकरण हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र का आधार शिक्षा है अत: स्किल डवलपमेंट के कार्यक्रम संचालित करें ताकि विद्यार्थी शिक्षा अर्जित करने के बाद विश्वकर्मा के रूप में काम कर सकें। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में इस पर बल दिया गया है ताकि शिक्षा अर्जन के बाद विद्यार्थी नौकरी के लिए हाथ नहीं पसारे वरन रोजगार सर्जक बन सके। विद्यार्थी आत्मनिर्भर हो और उसका मौलिक चिंतन हो।

उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु व्यक्ति नहीं संस्था थे वे युग प्रवर्तक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने अपने समय में सामाजिक जागरूकता की क्रांति का शंखनाद करते हुए जन-जन का मार्ग प्रशस्त किया। गोविन्द गुरु ने 1911 में भगत पंथ की स्थापना के साथ धार्मिक जागृति और स्वाधीनता संग्राम में अहम योगदान दिया। आतताईयों के विरूद्ध संघर्ष करते हुए उन्होंने न केवल समाज को संगठित किया वरन् आत्मविश्वास जागृत करते हुए सामाजिक और राजनेतिक चेतना जागृत की। संप सभा की स्थापना कर जीवन शैली बदली। विवि परिसर में स्थापित हुई उनकी प्रतिमा युवा पीढी का पथ प्रदर्शित करेगी। राज्यपाल ने संविधान उद्यान के निर्माण पर बधाई देते हुए कहा कि इससे देश की युवा पीढी संविधान संस्कृति से जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि संविधान उद्यान नई पीढी को संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्तव्यों की याद दिलाता रहेगा। उन्होंने बताया कि देश संविधान से ही चल रहा है और हमारे संविधान में ज्ञान दर्शन की महान परम्पराएं है जो वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना प्रवाहित करती है। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में ही हम भारत के लोग कहा गया है यह वाक्य नहीं वरन् आत्मानुभूति और समर्पण के भावों का प्रतीक है। इस अवसर पर उन्होंने काली बाई, नाना भाई, संत मावजी एवं उनकी भविष्य वाणियों का भी उल्लेख किया।

टीएडी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि वागड धरा आध्यात्मिक धरा है। उन्होंने बताया कि काशी में जितने मंदिर है उतने ही इस पवित्र धरा पर भी है। उन्होंने बताया कि यहां कंइ विद्वानों को वेदों की जानकारी है अतरू नई पीढ ी को ज्ञान संस्कृति से जोड़ने के लिये वेद विद्यापीठ एवं गुरुकुल महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने बताया कि गुरुकुल में कंइ जनजाति परिवारों के बच्चों ने प्रवेश लिया था। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में मानव विज्ञान आदि नये विषय प्रारंभ करने की भी जरुरत बताई। उन्होंने कहा कि संस्कृति पर भी शोध होना चाहिए। सांसद कनकमल कटारा ने बताया कि टीएसपी क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ है प्रशासनिक सेवाओं में अधिकतर लोग पूर्वोत्तर के ही है ऐसे में 12 प्रतिशत आरक्षण में से 6 फीसदी पृथक आरक्षण इस क्षेत्र के युवाओं को दिया जाना चाहिए ताकि वे प्रशासनिक अधिकारी बन सके और इस क्षेत्र का समुचित विकास हो सके। कटारा ने इस अवसर पर खेल मैदान के लिये 10 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि गोविन्द गिरि ने समाज सुधार, भक्ति भाव से परिवार और गांव सुधारे थे।

उन्होंने धूणियां स्थापित कर नशामुक्ति और स्वस्थ जीवन की राह दिखाई थी। उन्होंने बताया कि संत मावजी महाराज ने जो भविष्यवाणियां की वे अक्षरशरू सत्य साबित होती जा रही है। प्रारंभ में कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से लगभग सवा लाख विद्यार्थी जुडे हैं यहां शोध का कार्य भी हो रहा है। इसी तरह से वेद विद्यापीठ व वैदिक गुरुकुल की स्थापना की जा रही है। कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त नीरज के पवन, पुलिस महानिरीक्षक एस. परिमला, जिला कलक्टर प्रकाशचंद्र शर्मा, एसपी अभिजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

राशिफल बुधवार 27 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, धनिष्ठा नक्षत्र प्रात: 7:10 तक, धृति योग प्रात: 7:53 तक, कौलव करण दिन 3:23 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:10 से सांय 6:55 तक है। आज प्रदोष व्रत है। गौत्रि रात्रि व्रत आरम्भ होंगे। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:49 से 12:18 तक, चर 3:16 से 4:46 तक, लाभ 4:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:15

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

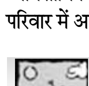

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

तुला

व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

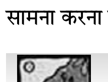

वृश्चिक

घर-परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा।

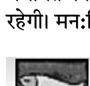

मीन

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 63 प्रभात बीकानेर, बुधवार 27 सितम्बर, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

इकतालीस साल बाद ड्रैसाज (इक्वेस्ट्रियन हॉर्स राइडिंग) में गोल्ड मैडल जीतकर भारत ने इतिहास रचा है। चीन में आयोजित हो रहे एशिअन गेम्स में भारत ने यह शानदार सफलता हासिल की। टीम के सभी चार भारतीय घुड़सवारों ने शानदार प्रदर्शन किया। अपने घोड़े ''एट्रो'' पर सवार अनुष अग्रवाल 71.088 अंक के स्कोर के साथ सबसे आगे रहे। घोड़े ''केमक्सप्रो एमरल्ड'' पर सवार हृदय छेदा 69.941 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि दिव्यकृति सिंह ने 68.176 अंक हासिल किए और अपने घोड़े ''चिन्स्की'' के साथ सुदीप्ति हजेला ने 66.706 अंक अपने नाम किए। भारतीय टीम का कुल स्कोर 209.205 रहा, इस प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम को गोल्ड मैडल हासिल हुआ। व्यक्तिगत रैंकिंग के अनुसार, अनुष अग्रवाल और हृदय छेदा, सिउ जैकलीन विंग यिंग के बाद दिन के दूसरे और तीसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। सभी चार भारतीय घुड़सवार बुधवार को व्यक्तिगत ड्रैसाज इंटरमीडिएट प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेंगे। उम्मीद की जा रही है कि, ये खिलाड़ी व्यक्तिगत स्पर्धा में भी गोल्ड मैडल हासिल करेंगे। भारतीय टीम की इस जीत में जयपुर की दिव्यकृति सिंह का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। दिव्यकृति सिंह इस जीत के बाद ग्लोबल रैंकिंग में 14वीं व एशियाई रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। दिव्यकृति सिंह अजमेर के मेयो गर्ल्स कॉलेज की पूर्व छात्रा हैं।

दिल्ली और जयपुर के बीच युद्ध छिड़ गया है कांग्रेस में

गहलोत जिस तरह से वरिष्ठ नेताओं को साइडलाइन कर रहे हैं, उससे राहुल गांधी बेहद रूष्ट हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या अब कांग्रेस पार्टी में दिल्ली बनाम जयपुर की स्थिति बन गई है। माहौल में एक बदलाव दिखाई दे रहा है क्योंकि अशोक गहलोत जिस तरह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करने की कोशिश कर रहे हैं तथा अपनी स्वयं की प्रधानता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, उस तौर-तरीके से राहुल गांधी नाराज़ हैं।

सूत्रों का कहना है कि जब गहलोत ने जयपुर में राहुल-खड़गे की जनसभा में वक्ताओं की सूची से सचिन पायलट का नाम हटा दिया था हालांकि राहुल ने इसे फिर से शामिल करा दिया था उसके बाद हवाई अड्डे पर राहुल ने रंधावा से जवाब तलब किया।

दोनों की बातचीत के समय मौजूद लोगों का कहना है कि राहुल ने बड़ी रुखाई के साथ रंधावा से कहा था, "अगर आप पार्टी के मामलों के समन्वयन एवं प्रबंधन में सक्षम नहीं हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने पद से इस्तीफा दे दें।"

इस्तीफा देने के बजाय, रंधावा ने कहा कि वे सब कुछ व्यवस्थित करेंगे तथा उसके परिणाम दिखाई देंगे।

- राहुल गांधी ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से यहां तक कह दिया कि, अगर आप पार्टी को मैनेज नहीं कर सकते तो बेहतर होगा पद से इस्तीफा दे दें।
- रंधावा ने लेकिन पद छोड़ने से इंकार कर दिया। रंधावा पूरी तरह से गहलोत के नियंत्रण में हैं और यह सब जानते हैं कि, वे गहलोत के कहे अनुसार ही काम करते हैं।
- दिल्ली और जयपुर की यह जंग कांग्रेस के टिकट वितरण के समय और ज्यादा उभरेगी, क्योंकि गहलोत अपने समर्थक विधायकों को टिकट देना चाहते हैं और इसके लिए कई मनगढंत सर्वे और रिपोर्ट भी पेश की जा रही हैं।
- राहुल गांधी ने साफ कह दिया है कि, टिकट वितरण में सुनील कानूगोलू की रिपोर्ट को ही आधार बनाया जाए। सुनील की रिपोर्ट के अनुसार, अगर कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करना है तो, 60 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने होंगे।
- सुनील कानूगोलू कर्नाटक में कांग्रेस के प्रमुख रणनीतिकारों में शामिल थे, उन्होंने कर्नाटक में चुनाव प्रचार के नए-नए तरीके बताए तथा कई सर्वे किए, जिनकी वजह से वहां कांग्रेस को जीत मिली।

रंधावा ऐसे व्यक्ति हैं जो मुख्यमंत्री के पूरी तरह, "यस मैन" हैं तथा राहुल गांधी बिना किसी खास हाल चाल के उन्हें बर्खास्त कर देंगे।

उल्लेखनीय है कि अब दिल्ली और जयपुर के बीच खुली लड़ाई है तथा यह और भी बड़े रूप में तब दिखाई देगी, जब टिकट-वितरण प्रक्रिया चलेगी तथा गहलोत अपने समर्थकों को टिकट दिलाने की कोशिश करेंगे, जबकि सुनील कानूगोलू ने अपने सर्वे की रिपोर्ट में कहा है कि अगर पार्टी को अच्छा प्रदर्शन करना है तो 60 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिये जाने चाहिये।

राहुल गांधी ने गौरव गोगोई से कह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुम्बई के सहकारी बैंक का लाइसैंस रद्द

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) ने सोमवार, 25 सितम्बर से "कपोल को-ऑपरेटिव बैंक ऑफ मुम्बई" का लाइसैंस रद्द कर दिया। मंगलवार से बैंक में पैसों का लेन-देन नहीं हो सकेगा। यह एक और ऐसा बैंक है जिसका लाइसैंस अभी हाल ही रद्द हुआ है।

- रिज़र्व बैंक ने यह कहते हुए कपोल सहकारी बैंक का लाइसैंस रद्द कर दिया कि, बैंक के पास जमाकर्ताओं को भुगतान करने के लिए पैसा नहीं है।

आर.बी.आई. ने बैंक का लाइसैंस क्यों रद्द किया?

आर.बी.आई. ने कहा कि इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'हाई कोर्ट के 80 जजों के नाम दस महीने से लम्बित हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति व तबादले में केन्द्र सरकार की ढिलाई की आलोचना की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। आज सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार द्वारा न्याय के रास्ते में रोड़े अटकाने की मोदी सरकार की चालों को रेखांकित करते हुए कहा "हाई कोर्ट से 8 नाम 10 माह से अधिक समय से लंबित पड़े है।

जजों की नियुक्ति का मामला कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक दूसरे को नीचा दिखाने का हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केन्द्र सरकार ने उच्च न्यायालयों की सिफारिशें अभी तक कोलीजियम के पास नहीं भेजी हैं।

केन्द्र द्वारा नामों को स्वीकृति देने में विलंब के आरोप पर याचिकाओं को सुनते हुए जस्टिस संजय कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बैंच ने कहा कि वे मामले पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं। हाई कोर्ट से प्राप्त 80 नाम 10 माहों से लंबित पड़े हैं। केवल एक आधारभूत प्रक्रिया पूरी होनी है। आपकी राय जाननी है ताकि कोलीजियम कार्रवाई कर सके।

बैंच ने कहा कि एक "हाई कोर्ट में 26 जजों और एक संवेदनशील हाई कोर्ट में चीफ जस्टिस की नियुक्ति करनी है।

जस्टिस कौल ने कहा, "मेरे पास सूचना है कि हाई कोर्ट से सिफारिश किए हुए कितने नाम लंबित हैं जो कोलीजियम तक नहीं पहुंचे।

- जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बैंच ने कहा कि, वे इस मामले पर कड़ी नज़र रखे हुए हैं और उन्हें पता है कि, हाई कोर्ट ने कितने नामों की सिफारिश की, पर नाम अभी तक कोलीजियम को नहीं भेजे गए हैं।
- एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने केन्द्र सरकार की तरफ से जवाब पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। कोर्ट ने उन्हें दो सप्ताह का समय दिया, पर कहा कि, इस बार जवाब के साथ ही कोर्ट में पेश हों।

एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। बैंच ने उन्हें दो सप्ताह देते हुए केन्द्र सरकार के जवाब के साथ उपस्थित होने को कहा। अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

कड़ी टिप्पणी में जस्टिस कौल ने कहा, "मुझे बहुत कुछ कहना है लेकिन मैं खुद को रोक रहा हूं। मैं इसलिए चुप हूं क्योंकि एटॉर्नी जनरल ने एक सप्ताह का समय मांगा है लेकिन अगली तारीख पर मैं चुप नहीं रहूंगा।"

2014 में जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से जजों की नियुक्ति के मामले में कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच विवाद चल रहा है। मोदी सरकार ने तो 2014 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग भी बनाया था, ताकि हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में उसका वर्चस्व रहे लेकिन अक्टूबर 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। केन्द्रीय मंत्री लगातार जोर दे रहे है कि जजों के चयन में सरकार की भूमिका होनी चाहिए।

कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच विवाद और बढ़ गया जब गत वर्ष उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने टिप्पणी की कि कैसे सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने कानून को अस्तित्वहीन कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा कि कोलीजियम व्यवस्था देश का कानून है जिसका अक्षरशः पालन होना चाहिए। उसने कहा कि केवल इसलिए यह देश का कानून बंद नहीं होता कि समाज के कुछ वर्ग कोलीजियम व्यवस्था के खिलाफ हैं।

कोलीजियम व्यवस्था भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह व नड्डा आज जयपुर में

जयपुर 26 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह एक दिवसीय प्रवास पर बुधवार को जयपुर आ रहे हैं। दोनों नेता करीब शाम 7 बजे भाजपा मुख्यालय पहुचेंगे।

दोनों नेता भाजपा मुख्यालय के विभिन्न बैठके लेंगे और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ चुनाव सम्बंधित मसलों पर चर्चा करेंगे।

- गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा प्रदेश के चुनावों के संबंध में पार्टी की कई बैठके करेंगे और नेताओं से फीडबैक लेंगे।

जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान के चुनाव को लेकर नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर फीडबैक भी लेंगे। सूत्रों के अनुसार वे कोर कमेटी एवं नेताओं से अलग-अलग चर्चा भी कर सकते हैं। नड्डा व अमित शाह का संघ कार्यालय जाने का भी कार्यक्रम बताया जा रहा हैं। वहां वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह को हाशिए पर धकेलने की तैयारी

विधानसभा प्रत्याशियों की लिस्ट में अभी तक भी शिवराज का नाम शामिल नहीं किया गया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। नवीनतम समाचारों के अनुसार मध्य प्रदेश को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भाजपा के भीतर ही गंभीर प्रतिद्वंदिता का सामना करना पड़ रहा है।

एक असामान्य कदम के तौर पर पार्टी नेतृत्व ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों को आगामी विधानसभा चुनाव लड़वाने का निर्णय लिया है:- नरेन्द्र सिह तोमर, प्रहलाद पटेल आर. फग्गन सिंह कुलस्ते। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कुछ वर्तमान सांसदों को भी उम्मीदवार बनाया जा रहा है। संक्षेप में, शीर्ष पद के लिए मुकाबला भारी हो जाएगा, अगर भाजपा सत्ता में लौट आई। पार्टी के सूत्र पहले ही संकेत दे चुके हैं कि चुनाव के बाद कोई भी बड़ा नेता मुख्यमंत्री बन सकता है।

वर्तमान मुख्यमंत्री का नाम उम्मीदवारों की पहली सूची में घोषित करने की पुरानी परम्परा के विरूद्ध चौहान का नाम भाजपा द्वारा अभी तक जारी की गई दो सूचियों में नहीं है। पार्टी ने 79 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं और संभव है कि चौहान का नाम शेष 151 उम्मीदवारों की सूची में हो।

- जबकि परम्परा है कि, मुख्यमंत्री का नाम पहली लिस्ट में ही घोषित कर दिया जाता है।
- भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों और कुछ सांसदों को मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में उतारा है। केन्द्रीय नेतृत्व ने संकेत दिया है कि चुनाव के बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है।

लेकिन अभी चौहान की स्थिति हल्की लग रही है। साथ ही घटनाक्रम ने विपक्षी कांग्रेस को मौका दे दिया, चौहान और भाजपा पर हमला बोलने का। कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कमलनाथ ने कहा कि चौहान का नाम प्रत्याशी के रूप में जारी करने में भाजपा की असफलता इस बात का पुख्ता सबूत है कि भाजपा हार मान रही है। भाजपा में आत्मविश्वास की कमी है और इस पर उसे अपने सबसे बड़े गढ़ में सबसे बड़ी हार मिलेगी। भाजपा की डबल इंज़िन की सरकार डबल हार की ओर बढ़ रही है।

कमलनाथ के पार्टी सहयोगी रणदीप सुरजेवाला ने दावा किया है कि भाजपा को अब विपक्ष से डर लग रहा है। अपनी तरफ से चौहान अभी तक टीम वाला खेल खेल रहे हैं। जब उनसे कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों को उम्मीदवार बनाने के लिए पूछा गया तो मुख्यमंत्री ने कहा, "यह शानदार और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस का चुनावी मुद्दा, जात आधारित जनगणना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गत सप्ताह संसद में जात आधारित जनगणना की मांग की थी, अब यही मांग कांग्रेस का मुख्य मुद्दा बन गई है। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि पारदर्शिता व समान वितरण के लिए जात आधारित जनगणना जरूरी है।

- ओ.बी.सी. मतों को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस जात आधारित जनगणना का मुद्दा जोर शोर से उठा रही है।

कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि भारत की आबादी का 60 प्रतिशत ओ.बी.सी. है लेकिन उन्हें उनकी आबादी के अनुपात में हक नहीं मिला है। अनुसूचित जाति, जनजाति के विपरीत इन्हें राजनैतिक आरक्षण भी नहीं मिला है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के कोटपूतली आवास सहित 10 व्यवसायिक ठिकानों पर ई.डी. की रेड

करीब 9 घंटे चली कार्यवाही, 5 गाड़ियों में सवार होकर आए करीब डेढ़ दर्जन अधिकारी कार्यवाही में शामिल रहे

कोटपूतली, 26 सितम्बर (निसं)। एक ओर जहां विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे है, वहीं, राजस्थान में सत्ताधारी पार्टी के गृहमंत्री के यहां हुई ईडी की रेड ने सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है।

मामला गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव से जुड़ा है। पांच गाड़ियों में सवार होकर आई, करीब डेढ दर्जन प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) अधिकारियों की टीम ने गृह राज्य मंत्री के कोटपूतली आवास सहित दस व्यवसायिक ठिकानों पर छापेमारी की है।

सूत्रों के अनुसार, कार्रवाही के दौरान अधिकारियों ने दो मोबाइल जब्त किए और मौके पर ताला तोड़ने वाले एक युवक को भी बुलाया है। बताया जा रहा है कि, करीब 9 घंटे चली कार्रवाही में 2 अलमारियों व एक बॉक्स का ताला तोड़कर कुछ अहम दस्तावेज जब्त किए हैं।

- सूत्रों ने बताया कि, ई.डी. ने 2 मोबाइल सहित अहम् दस्तावेज जब्त किए व 3 ताले भी तोड़े।
- गत वर्ष 7 सितम्बर को आई.टी. ने भी राजेन्द्र यादव के 53 ठिकानों पर छापा मारा था।
- शाम को ई.डी. की कार्यवाही के बाद मंत्री राजेन्द्र यादव ने जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि, मेरा कोई लेना देना नहीं है, मुझे सिर्फ बेवजह परेशान किया जा रहा है।

मंगलवार अल सुबह करीब 7 बजे से शाम 4.15 बजे तक चली कार्यवाही में ईडी की टीम ने लोगों का आना जाना बंद करते हुए घर में मौजूद कर्मचारियों से भी उनके मोबाईल आदि ले लिये, जों बाद में लौटा दिए गए। बताया जा रहा है कि, कार्यवाही के वक्त स्वयं गृह राज्यमंत्री यादव व उनके बेटे भी आवास पर ही मौजूद थे। टीम ने लैपटॉप व प्रिन्टर आदि भी अन्दर मंगवाकर कार्यवाही को आगे बढ़ाया।

गौरतलब है कि, विगत 7 सितंबर 2022 को भी मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की, कोटपूतली के पाथरेड़ी स्थित फैक्ट्री सहित 53 ठिकानों पर इन्कम टैक्स विभाग की रेड हुई थी। दरअसल मामला मिड-डे मील सप्लाई में हुई गड़बड़ी से जुड़ा बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब राजेन्द्र यादव से संबंधित कंपनियों में रेड हुई थी, तब कमलजीत राणावत, सतीश मूलचंद व्यास से संबंधित कंपनियों में भी रेड की गई थी और 15 बैंक लॉकरों को भी खोला गया था। बताया जा रहा है कि, इन्कम टैक्स विभाग को करोड़ों की राशि घोषित नहीं की जा रही थी और स्थानीय सूत्रों के अनुसार राजेन्द्र यादव के परिवार जनों ने लगभग 14 करोड़ रूपये इन्कम टैक्स को सरेंडर किये थे।

जिस कंपनी में रेड की गयी थी उनमें से एक कम्पनी, एम.आर.टी. एन्टरप्राइज़ेज थी। जिसमें राजेन्द्र यादव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बॉलीवुड की अतिलोकप्रिय अभिनेत्री वहीदा रहमान को भारतीय सिनेमा जगत के सर्वोच्च सम्मान ''दादा साहब फाल्के'' पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने ''एक्स'' अकाउंट पर एक लंबा नोट शेयर कर यह जानकारी दी। फिल्म प्यासा, कागज़ के फूल, चौदहवीं का चांद, साहब बीवी और गुलाम, गाइड और खामोशी जैसी कई चर्चित फिल्मों में अपने अभिनय से वहीदा रहमान ने बहुत प्रसिद्धि हासिल की। पांच दशक से अधिक की अभिनय यात्रा में वहीदा रहमान को पद्मश्री और पद्म भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

लूट के आरोपी ने कांस्टेबल की राइफल छीन उसी पर गोली चलाई

लूटेरे ने इसके बाद वहां से भागने का प्रयास किया तो एसएचओ ने बदमाश को काबू करने के लिए उसके पैर में गोली मार दी

- घायल कांस्टेबल और बदमाश दोनों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है
- पुलिस टीम लूट के आरोपी को लेकर मौका-मुआयना करने जा रही थी
- 23 अगस्त को बदमाशों ने तीन किलो सोना और 18 लाख कैश की लूट की थी

राजसमन्द, (निसं)। ज्वैलर से दो करोड़ की लूट के आरोपी ने कांस्टेबल की राइफल छीनकर उसी पर फायर कर दिया। इसके बाद वह भागने का प्रयास कर करने लगा। एसएचओ ने बदमाश को काबू करने के लिए उसके पैर में गोली मार दी। कांस्टेबल और बदमाश दोनों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम आरोपी को लेकर मौका-मुआयना करने जा रही थी। मामला राजसमंद के कांकरोली का है।

राजसमंद एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि 23 अगस्त को कांकरोली (राजसमंद) क्षेत्र के भगवानदास मार्केट के सामने (जल चक्की के पास) रूपम गोल्ड ज्वेलर्स से 4 बदमाशों ने पिस्टल की नोक पर 3 किलो सोना और 18 लाख कैश की लूट की थी। इनमें से एक आरोपी कृतिक कुमार उर्फ किट (20) पुत्र कन्हैया लाल पासवान को राजसमंद पुलिस ने पटना की एसटीफ व वैशाली जिले (बिहार) की स्पेशल टीम की मदद से बिदुपुर (वैशाली) में दबिश देकर पकड़ा था। कृतिक को ही पुलिस टीम मंगलवार सुबह मौका-मुआयना कराने के लिए लाई थी।

राजसमंद एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि कृतिक कुमार ने वारदात के दौरान ज्वेलर की दुकान से डीवीआर उठा ली थी। फरार होने के दौरान उसने डीवीआर को तोड़कर विनोल जंगल में फेंक दिया था। मंगलवार सुबह कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज डीपी दाधीच टीम के साथ आरोपी को मौका तस्दीक करवाने कुंवारिया थाना इलाके के विनोल गांव के जंगल के पास लेकर आए थे।

पटरी पर युवक का शव मिला

चाकसू, (निसं)। यहां थूनी-बड़ली रेल पटरी पर देर रात करीब एक युवक का शव कटी हुए हालात में ट्रेन चालक को दिखाई दिया। जिसकी सूचना ट्रेन चालक ने स्टेशन मास्टर को दी। सूचना पर स्टेशन मास्टर, रेलवे पुलिस व चाकसू पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। वहीं पुलिस ने शव की अपने स्तर पर शिनाख्त की जो आशीष यादव पुत्र मनमोहन (21) निवासी थुर्णी अहिरान चाकसू थाना अंतर्गत का निकला।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि कल शाम को घर से खेतों से होते हुए तेजाजी के रात्रि जागरण देखने के लिए कहकर निकाला था लेकिन वापस नहीं लौटा। इस पर परिजनों को चिंता हुई और अपने स्तर पर तलाश भी की लेकिन आशीष का कहीं पर भी पता नहीं चल पाया। थाना प्रभारी कैलाशदान व अनुसंधान प्रभारी श्रीचंद मीना ने बताया कि आशीष रेल से कटकर मरा या उसके साथ कोई हादसा हुआ इस मामले में गहनता से तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के शव पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

गौतस्करों के चंगुल से तीन गौवंश को मुक्त कराया

तीन गौतस्कर गिरफ्तार, पिकअप जब्त

डीग (निस)। डीग थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गौतस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन गोवंश को गौतस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है और तीन गौतस्करों को गिरफ्तार करते हुए पिकअप को जब्त किया है।

हैड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गणेश मंदिर पर जरिये मुखबिर सूचना मिली कि एक पिकअप में कुछ बदमाश छह मोरा डीग पर रोड के किनारे गौवंश भर रहे हैं। जो कामां की तरफ जायेंगे। इस दौरान मौके पर पहुंचे तो पिकअप खड़ी मिली जिसमें तीन आदमी सड़क के किनारे खड़ी गायों को पिकअप में भर रहे थे।

इस दौरान पुलिस ने पिकअप को देखा गया तो उसमें एक बछडी व दो गायें भरी हुयी थी। जिस पर उनसे पिकअप चालक का नाम पता पूछा तो अपना नाम जावेद पुत्र अमीन मेव उम्र 32 साल निवासी रावलका थाना पहाडी जिला डीग,विकास पुत्र खेमचंद जाटव उम्र 35 साल निवासी पहाड़ी थाना पहाडी जिला डीग, प्रताप उर्फ पप्पू पुत्र भीमसिंह गुर्जर उम्र 36 थाना पहाडी जिला डीग होना बताया। इस दौरान पुलिस ने चालक से गाय ले जाने का टीपी व लाइसेंस के बारे में पूछा गया तो अपने पास कोई लाइसेंस होना नहीं बताया। इस दौरान पुलिस ने तीनों गौतस्करों को गिरफ्तार करते हुए पिकअप को जप्त किया है तथा गौवंश को कलावटा तहसील कामां की श्रीकृष्ण गोशाला समिति, भोजनथाली में छुड़वाया है।

हिरण का शिकार कर मांस पकाते दो गिरफ्तार

वन विभाग की टीम ने गांव चाम्पावसी के पास खेत में दो जनों को गिरफ्तार किया।

- मौके पर हिरण का सिर, सींग, टांगों सहित कच्चा मांस मिला
- हिरण को मारने में उपयोग में ली गई चोसांगी, लाठी छुरा खून से सने हुए मिले
- वन विभाग की टीम ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया

रतनगढ़ (निसं)। वन विभाग की टीम ने मंगलवार को गांव चाम्पावसी के पास एक खेत में दो व्यक्तियों को हिरण का शिकार कर उसका मांस पकाते रंगेहाथों गिरफ्तार किया है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी शंकरलाल सोनी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर टीम को साथ लेकर चाम्पावसी के पास केसराराम जाट के खेत पहुंचे तो वहां 39 वर्षीय रामलाल बावरी व 51 वर्षीय रामेश्वर बावरी निवासी वार्ड आठ रतनगढ़ दोनों ने हिरण को मार रखा था और उसका मांस पका रहे थे। मौके पर एक साइड हिरण का सिर, सींग, टांगों सहित कच्चा मांस मिला। वहीं दूसरी साइड हिरण को मारने में उपयोग में ली गई चोसांगी, लाठी छुरा खून से सने हुए मिले। वन विभाग की टीम ने इन्हें जब्त कर दोनों व्यक्तियों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। वन विभाग की टीम ने इनके खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

किशनगढ़बास में क्या एक बार फिर रामहेत और दीपचंद आमने-सामने होंगे ?

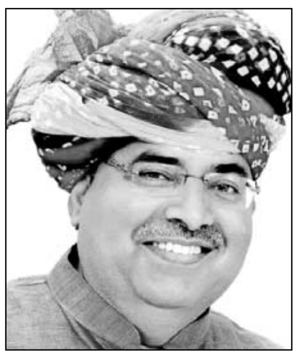

रामहेत यादव

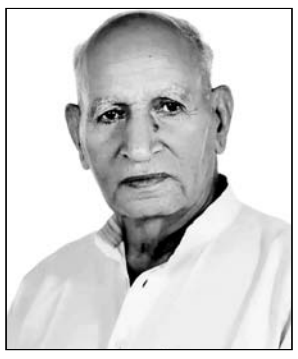

दीपचंद खेरिया

- कांग्रेस की सिमरत कौर और भाजपा के दिनेश यादव की चुनाव में क्या रहेगी भूमिका, इसको लेकर बनी है चर्चा
- स्थिति साफ नहीं होने पर प्रत्याशियों के टिकट को लेकर बना है संशय, कांग्रेस में बगावत के बने हैं आसार

किशनगढ़ बास, (निसं)। राजस्थान विधानसभा के चुनावी समर में गांव के गली-मोहल्ले से चौपाल और चौपाल से चाय की थड़ी, सेलून की दुकान पर कांग्रेस में दीपचंद खैरिया और सिमरत कौर को लेकर चर्चा है तो भाजपा में रामहेत यादव व डॉ. दिनेश यादव के नाम पर बहस छिड़ी है। टिकट किस पार्टी से किसको मिलेगी और कौन जीतेगा और कौन पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ेगा इस बात पर बहस छिड़ी है। 2023 के चुनाव में टिकट घोषणा से पहले सबसे ज्यादा अगर किसी नाम की चर्चा है तो वह नाम है सिमरत कौर सिद्धू का जो पूर्व गृहमंत्री स्व. संपतराम के पुत्र सेवानिवृत्त आईएएस अशोक संपतराम की पत्नी है।

कांग्रेस में अशोक गहलोत के करीबी और पांच साल तक सरकार में सहयोगी रहे किशनगढ़ बास से बसपा विधायक दीपचंद का टिकट फाइनल माना जा रहा है, परंतु लोगों की जुबान पर नाम सिमरत कौर का है। ऐसे में कांग्रेस कहीं ना कहीं इस बात से डरी है कि सिमरत कौर टिकट नहीं मिलने की स्थिति में पार्टी से बगावत कर बसपा से चुनाव लड़ती है तो कांग्रेस को चुनाव में सीधा-सीधा नुकसान हो सकता है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहेगी जिससे की पार्टी को नुकसान हो और फिर से हार का मूंह देखना पड़े क्योंकि 2018 के चुनाव में दीपचंद खेरिया का टिकट काटकर सांसद डॉ. करण सिंह यादव को टिकट दिया गया था। नतीजा क्या निकला वह पार्टी देख चुकी है। 2008 व 2013 में दीपचंद खेरिया को टिकट दिया गया था उस दौरान भी पार्टी को यहां हार हाथ लगी। पार्टी दीपचंद खेरिया पर इसलिए दांव खेल सकती है कि बसपा से विधायक रहते खेरिया गहलोत के विश्वासपात्र रहे और 5 साल सरकार में रहते अनेक बड़े विकास के काम में क्षेत्र में कराए हैं।

भाजपा में पूर्व विधायक रामहेत यादव और अभी हाल में अपने पुराने घर में कांग्रेस छोड़कर वापसी हुए डॉ. दिनेश यादव के बीच टिकट को लेकर लोगों में संशय से बना हुआ है। रामहेत यादव 2008 से 2018 तक लगातार किशनगढ़ बास से विधायक रहे हैं। किशनगढ़ बास क्षेत्र के लोगों के बीच एक मजबूत पकड़ को रखते हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव व ओम माथुर के बेहद करीबी नेताओं में माने जाते हैं। केंद्र व प्रदेश के बड़े नेताओं में रामहेत की मजबूत पकड़ अलवर के कुछ पार्टी नेताओं को रास नहीं आ रही है और इस प्रयास में लगे हैं कि किसी भी तरह रामहेत की टिकट को काटा जाए। रामहेत यादव का कहना है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर पूरा भरोसा है कि टिकट मुझे ही मिलेगा।

चुनाव से ठीक 2 महीने पहले डॉ. दिनेश यादव की भाजपा में घर वापसी कराना विरोधी नेताओं की राजनीति का एक हिस्सा कहा जा रहा है। सांसद महंत बालकनाथ योगी और रामहेत यादव के बीच की दूरी भी क्षेत्र में लोगों में चर्चा का विषय बनी है। बताया जा रहा है कि सांसद महंत बालक नाथ ही दिनेश यादव को भाजपा में लेकर आए हैं। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद से ही दिनेश यादव क्षेत्र में सक्रिय हैं और परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान प्रदेश के नेताओं को ताकत दिखा चुके हैं। दिनेश यादव टिकट को लेकर पूरी तरह आस्वस्थ हैं। अब लोगों को इन्तजार है टिकट का ताज किसके के पार्टी बांधकर जनता के बीच में भेजती है और कौन पार्टी के फैसले के साथ रहता है। या फिर पार्टी से बागी होकर चुनाव लड़ते हैं।

साईबर ठगी के 6.93 लाख रुपए बरामद किये

जयपुर, (निसं)। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम ने अलवर के सदर थाना इलाके के लोहरवाड़ी गांव में डीएसटी के सहयोग से दबिश देकर साइबर ठगी की रकम 6 लाख 93 हजार 500 बरामद की हैं। थाना सदर पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के एएसआई बनवारी लाल शर्मा को मुखबिर से सूचना मिली कि अलवर जिले के थाना सदर इलाके में लोहरवारी गांव निवासी मोबिन पुत्र इशाक नाम का युवक गैंग बनाकर साइबर फ्रॉड की वारदातों को अंजाम दे रहा है।

एडीजी एमएन ने बताया कि सूचना के सत्यापन में सामने आया कि लोहरवाड़ी गांव निवासी मोबिन पुत्र इशाक, शाहरुख पुत्र अख्तर व अख्तर पुत्र रहमान एक गिरोह संचालित कर साइबर अपराध तथा सेक्सटॉर्शन के जरिए ब्लैकमेल कर रुपए ऐंठते हैं। इस पर अलवर डीएसटी को साथ लेकर टीम लोहरवाड़ी गांव पहुंची। रास्ते में तीन युवक आते नजर आए, जिनमें से एक के कंधे पर बैग लटका हुआ था। पुलिस को देख तीनों मुड़कर भागने लगे। पीछा कर एक को पुलिस ने दबोच लिया, दो युवक भागने में सफल हो गए। भागने वाले युवक के कंधे पर कपडे का एक बैग था, जो मौके पर पटक कर भाग गया था, जिसमें कुल 6 लाख 93 हजार 500 रुपये थे। पकड़े गए युवक ने अपना नाम मुबीन पुत्र इशाक निवासी लोहरवाड़ी बताया। भागने वाले शाहरुख और अख्तर थे।

आरोपी को लेकर पुलिस टीम जैसे ही रवाना होने लगी तो काफी भीड़ मौके पर पुलिस की गाड़ी के सामने आ गई। भीड़ ने पुलिस पार्टी के साथ हाथापाई कर काबू में किए आरोपी को जबरन छुड़ा लिया और मौके से फरार करवा दिया। फरार आरोपियों के पास कई एटीएम कार्ड, मोबाइल और नकदी होने की सीआईडी टीम को सूचना थी। थाना सदर जिला अलवर में ठगी, पुलिस कर्मियों से मारपीट, राजकार्य में बाधा से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नाबालिग की बदमाशों ने चाकू से गोदकर हत्या की

मर्डर का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक नाबालिग के चाकू घोंप रहे हैं

अनूपगढ़, (निसं)। मेला देखकर घर लौट रहे 17 साल के नाबालिग की बाइक सवार तीन बदमाशों ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मर्डर का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक नाबालिग के चाकू घोंप रहे हैं। घटना अनूपगढ़ के घड़साना मंडी के वार्ड नंबर-7 की सोमवार रात साढ़े नौ बजे की है।

थानाधिकारी जितेंद्र स्वामी ने बताया कि अनिल अपने बड़े भाई पवन और पड़ोसी भागीरथ, सुभाष के साथ रामदेव के मेले से घर लौट रहा था। रास्ते में उसने भाई को बताया था कि पड़ोसी सारू उर्फ संसार सिंह, कीरत पाल और सुखचैन सिंह जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। चारों पीरखाना में एक शॉप पर कोल्ड ड्रिंक पीने रुके। इस दौरान बाइक पर तीन लड़के आए। उन्होंने अनिल को इशारा कर बुलाया। अनिल उनकी ओर बढ़ ही रहा था कि तीनों उसके पास पहुंच गए। युवकों ने अनिल पर चाकू से वार कर दिए। घटना से सर्व समाज में रोष है। हॉस्पिटल में पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। भाई पर हमला होते देख पवन बचाने दौड़ा उससे पहले ही बदमाश कुपली मार्ग होते हुए फरार हो गए। अनिल को गंभीर हालत में घड़साना हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हत्याकांड के बाद मंगलवार को सर्व समाज के लोग हॉस्पिटल पहुंचे। पुलिस के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने आरोपियों जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना के बाद क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई गई थी। नाबालिग के भाई की रिपोर्ट के आधार पर नामजद तीनों आरोपियों को पकड़ने के लिए जगह-जगह पर दबिश दी जा रही है।

उपचार के दौरान युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निस)। एमजी अस्पताल में उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई। युवक के परिजनों का पता लगाने के लिए पुलिस ने भीलवाड़ा सहित प्रदेशभर के थाना अधिकारियों को सूचना दी है, ताकि मृतक के परिजनों का पता चल पाये। शव को फिल्हाल मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि 26 सितंबर को एमजीएच से सूचना मिली कि रामपाल (30) पुत्र नानाराम उर्फ नंदाराम माली, जिसका एड्रेस नहीं है, इस नाम से एक व्यक्ति 23 सितंबर को भर्ती हुआ, जिसकी आज सुबह मौत हो गई। मृतक के परिजनों का पता नहीं चल रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक की उम्र 30 से 35 साल है। उसके दाहिने हाथ पर उ गुदा है। वह पीला शर्ट पहने है। उसके सिर पर काले बाल हैं और रंग गेहुंआ है। पुलिस ने मृतक के परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन पता नहीं चला।

'इंजेक्शन लगाने से व्यक्ति की मौत'

- मृतक के बेटे ने मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

हनुमानगढ़, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के सहजीपुरा गांव में मेडिकल स्टोर संचालक की ओर से इंजेक्शन लगाने के कुछ समय बाद व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में व्यक्ति के बेटे ने सदर पुलिस थाने में मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। हेड कॉन्स्टेबल मदनलाल शर्मा ने बताया कि सुशील कुमार (25) पुत्र रायसिंह मेघवाल निवासी गांव बहलोलनगर ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि उसके पिता रायसिंह (47) को बुखार-जुकाम था।

उसके पिता सहजीपुरा गांव के मेडिकल स्टोर संचालक मुकेश चोटिया के पास दिखाने के लिए गए तो मुकेश चोटिया ने बिना जांच किए ही उसके पिता को इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगाने के कुछ समय बाद ही इंजेक्शन के रिएक्शन करने से उसके पिता रायसिंह की हालत बिगड़ गई, लेकिन मुकेश चोटिया ने उन्हें संभाला नहीं। ना ही कोई दवाई दी।

इस कारण उसके पिता की हालत बिगड़ गई। जब वे उसके पिता को टाउन के राजकीय जिला अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने जांच के बाद उसके पिता को मृत घोषित कर दिया। सदर पुलिस ने मुकेश चोटिया के खिलाफ लापरवाही से मौत के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सात लाख का अफीम-डोडा चूरा जब्त, दो गिरफ्तार

- लोडिंग पिकअप में गुप्त स्कीम बनाकर मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही थी

जयपुर/झालावाड़, (निसं)। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच टीम की सूचना पर झालावाड़ जिले की सुनेल थाना पुलिस ने एक लोडिंग पिकअप से सात लाख रुपए कीमत का 70 किलो अफीम डोडा चूरा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ उच्च क्वालिटी का है, जिसे पिकअप में गुप्त स्कीम बना तस्करी किया जा रहा था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम और अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम की सूचना पर झालावाड़ डीएसटी व सुनेल थाना पुलिस ने लोडिंग पिकअप से अफीम डोडा चूरा जप्त कर मगिसपुर थाना सुनेल निवासी तस्कर अर्जुन पाटीदार पुत्र भागीरथ व किशोर पाटीदार पुत्र रामगोपाल को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया है।

एडीजी एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के हेड कांस्टेबल महावीर सिंह एव कांस्टेबल रमेश चंद व रतिराम को झालावाड़ जिले के थाना सुनेल इलाके में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की आसूचना प्राप्त होने पर एडिशनल एसपी आशाराम चौधरी के सुपरविजन तथा इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में सूचना डवलप की गई, पुख्ता होने पर थाना सुनेल पुलिस को सूचित किया गया।

डीएसटी व थाना सुनेल पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी में सूचना के अनुसार संदिग्ध पिकअप को रुकवा चेक किया तो पिकअप की पीछे बॉडी में बीचो-बीच एक गुप्त स्कीम बनाई हुई थी। इसके अंदर प्लास्टिक पैकिंग में अफीम डोडा चूरा के पैकेट छुपाए हुए थे। जिसका वजन कल 70 किलोग्राम था।

पुलिस ने आरोपी तस्कर अर्जुन पाटीदार व साथी किशोर पाटीदार को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में जिला चित्तौड़गढ़ से अटैच हेड कांस्टेबल महावीर सिंह, कांस्टेबल रमेश चन्द्र और क्राइम ब्रांच के कांस्टेबल रतिराम की विशेष भूमिका रही। वहीं कांस्टेबल सोहन देव यादव का तकनीकी सहयोग रहा। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत द्वारा किया गया।

दो बच्चों व पिता की हालत बिगड़ी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में पीहर से ससुराल जा रही महिला को ऑटो में सफर के दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा दी ठंडे की बोतल से ठंडा पीने के बाद महिला के पति व दो बच्चों की हालत बिगड़ गई। तीनों को उपचार के लिए एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

हमीरगढ़ निवासी सांवर की पत्नी गीता अपने पीहर मांडल गई थी। जहां से वह अपने बेटे कपिल व वंदना के साथ ससुराल हमीरगढ़ जाने के लिए बस से रवाना हुई। वह, भीलवाड़ा में रेलवे फाटक के नजदीक बस से उतरी और बस नहीं मिलने से टेंपो में बैठकर हमीरगढ़ के लिए रवाना हो गई। इसी टेंपो में एक अज्ञात व्यक्ति बैठा था। इस अज्ञात व्यक्ति ने गीता के पहने हुये गहने लूटने के इरादे से ठंडे की बोतल गीता को दी, लेकिन उसने नहीं पी। इससे वह वारदात का शिकार होने से बच गई। गीता, ठंडे की बोतल को घर ले गई और घरेलु काम में जुट गई। इस बोतल से गीता के पति सांवर, उसके बेटे कपिल और वंदना ने ठंडा पी लिया। इसके बाद इन तीनों की हालत बिगड़ गई। उन्हें एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन करने गया युवक तालाब में डूबा

15 फीट गहरे तालाब के दलदल में फंसने से हुई मौत

मृतक सुनील

- टसकोला गांव के बुचारा बांध का मामला, चार घंटे बाद निकाला शव
- परिजनों ने बताया कि मृतक अविवाहित था और मर्चेंट नेवी में कार्यरत था

पावटा, (निसं)। गणेश मूर्ति विसर्जन करने गया युवक 15 फीट गहरे तालाब में डूब गया व दलदल में फंस गया। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। मृतक मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में नहाने गया था। गहरे गड्ढे में चले जाने व दलदल में फंसने के कारण यह हादसा हुआ।

प्रागपुरा थाना क्षेत्र के गांव टसकोला निवासी 20 वर्षीय सुनील सोमवार को गणेश मूर्ति विसर्जन करने टसकोला गांव के बुचारा बांध पर गया था। वह अपने साथियों के साथ मूर्ति विसर्जन कर रहा था। तभी वह अपने साथियों के साथ तालाब में नहाने के लिए कूद गया। साथियों का कहना है कि वह तालाब में आगे गहरे गड्ढे में चला गया व तालाब के बीच में पहुंचते ही वह डूबने लगा व दलदल में फंस गया। उसके साथ नहाने के लिए कूदे साथियों ने उसे ढूंढने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से करीब 4 घंटे बाद शव को बाहर निकलवाया। मौके पर पहुंचे परिवारीजन तसल्ली के लिए उसे पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने बताया कि मृतक अविवाहित था और मर्चेंट नेवी में कार्यरत था। वहीं जानकारी के अनुसार सुनील एक महिने की छुट्टी पर आया हुआ था। सोमवार को वह अपने परिजनों व साथियों के साथ खुशी के साथ नाचते गाते गणेश मूर्ति विसर्जन करने टसकोला गांव के बुचारा बांध पर गया था। मृतक सुनील के पिता का पूर्व में ही देहांत हो चुका था। चार भाइयों में सुनील सबसे छोटा था। उसके तीनों बड़े भाई किसी तरह से मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि सुनील जुलाई में ही मर्चेंट नेवी में नौकरी पर लगा था। वह एक महीने पहले ही छुट्टी पर गांव आया था। तथा एक-दो दिन बाद ही वह वापस ड्यूटी पर जाने वाला था लेकिन इससे पहले ही यह हादसा हो गया।

कोलायत विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का हुआ विस्तार : भाटी

बीकानेर,(कासं)। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने मंगलवार को उपखंड मुख्यालय बज्जू में बिश्नोई धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में करीब एक दर्जन विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इस दौरान उन्होंने विधायक निधि कोष, डीएमएफटी, ग्राम पंचायत मद आदि से स्वीकत विभिन्न विकास कार्यों में नव निर्मित व्यापार मंडल भवन का, रा.बा.उ.मा.वि. बज्जू खालसा में नव निर्मित कक्षा कक्ष व छात्राओं के लिए फर्नीचर का, श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर के पास नव निर्मित सामुदायिक भवन व सी.सी. ब्लॉक का, हनुमान मंडी के पास नव निर्मित सामुदायिक भवन व सी. सी. ब्लॉक, बस स्टैण्ड बज्जू खालसा में नव निर्मित टीनशेड व पार्क, सार्वजनिक पुस्तकालय भवन निर्माण, रा.उ.प्रा.वि. बज्जू खालसा में 02 नवीन कक्षा-कक्ष का लोकार्पण किया।

आंगनबाड़ी केन्द्र ए के पास सामुदायिक भवन का,रा.उ.मा.वि.बज्जू में वाचनालय का, रा.मा.वि. बज्जू भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला कक्ष का, रा.उ.प्रा. वि. बज्जू खालसा में 03 अतिरिक्त कक्षा कक्ष का ग्राम पंचायत बज्जू के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने के कार्य का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बज्जू के जनप्रतिनिधियों एवं व्यापार मंडल के सदस्यों ने ऊर्जा मंत्री को माला पहनकर उनका स्वागत किया। इससे पहले ऊर्जा मंत्री के बज्जू मुख्यालय पहुंचने पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर

ग्राम पंचायत बज्जू खालसा की पुष्करणा कॉलोनी में बने सामुदायिक भवन का ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने लोकार्पण किया।

उनका जगह-जगह स्वागत किया। ऊर्जा मंत्री ट्रैक्टर चलाते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि गत साढे चार सालों में कोलायत विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने के प्रयास किये गये है। क्षेत्र में बुनियादी संसाधन विकसित कर ग्रामीणों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के प्रयास किया गया है।

गाढ़वाला से लेकर गज्जेवाला तक के गांवों की समस्याओं का समाधान करने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोलायत विधानसभा क्षेत्र में सुविधाओं का विशेषकर शिक्षा, बिजली-पानी, चिकित्सा, सड़क आदि का पूर्णतया अभाव था। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम कोलायत विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा पर जोर दिया गया। साथ ही साथ चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार करते हुए कोलायत में ट्रोमा सेंटर, उप जिला अस्पताल के अलावा बड़ी संख्या में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले गए हैं। आज इस क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए बीकानेर नहीं जाना पड़ता।

कोलायत विधानसभा क्षेत्र में सात राजकीय कॉलेज खोले गए हैं, जिसमें से दो राजकीय कॉलेज बालिकाओं के लिए हैं। इन सभी कॉलेजों के भवन का निर्माण कार्य चल रहा है और बच्चे इनमें अध्यनरत हैं। ऊर्जा मंत्री ने विधायक निधि कोष से 10 लाख रूपए की लागत से पुष्करणा कॉलोनी में और इसी मद 15 लाख रूपये की लागत से हनुमान जी मंडी के पास बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया।

उन्होंने ग्राम पंचायत मद से 6 लाख 9 हजार की लागत से बने सार्वजनिक जल कुंड निर्माण का, ग्राम पंचायत मद से 9 लाख 69 हजार खर्च कर हनुमान मंडी में सीसी ब्लॉक, खेजड़ी गट्टा व सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण भी किया। इसके अलावा उन्होंने आरआईडीफम मद से 10 लाख 53 हजार की लागत से राजकीय

- **कोलायत में 10 लाख की लागत से पुष्करणा कॉलोनी में और 15 लाख से हनुमान मंडी के पास बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया**
- **बज्जू में एक दर्जन विकास कार्यों लोकार्पण व शिलान्यास**

बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान लैब मय बरामदा का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा उन्होंने इसी मद से 27 लाख रूपए की लागत से बने सार्वजनिक पुस्तकालय भवन का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर बज्जू के सरपंच कप्तान मोहनलाल गोदारा, गिराजसर सरपंच जय सिंह भाटी, संग्राम सिंह भाटी, पंचायत समिति सदस्य निजाम खान, सुनील गोदारा, रुपाराम,ओ पी खीचड़, राजस्थान सफाई आयोग के अध्यक्ष किशनलाल, गणपत राम सिगड़, झंवर लाल सेठिया, भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष रामनिवास गोदारा, व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, कच्ची आदत बज्जू मंडी अध्यक्ष भागीरथ ज्याणी, जिला परिषद सदस्य मोहन दान उज्जवल, जिला परिषद सदस्य जयराम मेघवाल मौजूद थे।

संविदा कर्मियों का कार्य बहिष्कार

हनुमानगढ़, (कासं)। ठेका प्रथा समाप्त कर संविदा रूल्स 2022 में शामिल करने की मांग को लेकर टाउन के जिला अस्पताल में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का दो घंटे कार्य बहिष्कार और धरना सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। संविदा कर्मचारियों ने धरना देकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

संविदा एवं मानदेय कर्मचारी संघ एकीकृत जिलाध्यक्ष लालचंद मोर्य ने बताया कि राजस्थान सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में प्लेसमेंट में लगे कर्मचारी यथा लैब तकनीशियन, प्रयोगशाला सहायक, हेल्पर, ऑक्सीजन प्लांट, ऑपरेटर, इलेक्ट्रीशियन, गार्ड, वार्ड बॉय, वार्ड लेडीज, एम्बुलेंस ड्राइवर, पूंबर, फार्मेसी, रेडियोग्राफर और काउंसलर पिछले कई वर्षों से विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं। कोरोना काल में भी इन सभी कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर सरकार के निर्देशानुसार काम किया। ये सभी कर्मचारी अल्प वेतन में कार्य कर रहे हैं। राजस्थान सरकार की ओर से सुविधा अपार्टमेंट कर्मचारियों को बजट घोषणा पत्र में भी नियमित करने का वादा किया था जो कि अभी तक अमल में नहीं लाया गया।

सभी प्लेसमेंट कर्मचारियों को इस महंगाई के दौर में घर चलाना बहुत मुश्किल हो गया है। इसलिए सरकार से मांग है कि उनकी मांगों को पूर्ण करते हुए नियमित किया जाए। संविदा कर्मचारी संघ के संरक्षक चन्द्रभान तिवाड़ी ने कहा कि वर्तमान में 2 घंटे का कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। अगर सरकार मांगों पर ध्यान नहीं देती है तो नियमित कार्य बहिष्कार किया जायेगा।

सार-समाचार

दिव्यांग ने पैरों से लिखा धन्यवाद पत्र

रेलवे ऑडिटोरियम में रोजगार मेले में दिव्यांग लीलाधर ने प्रधानमंत्री मोदी को पैरों से धन्यवाद पत्र लिखा।

बीकानेर, (कासं)। रोजगार मेले का आयोजन रेलवे ऑडिटोरियम में किया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रिमोट बटन दबा कर देशभर में 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र जारी किए। बीकानेर में कानून मंत्री के हाथों से 130 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए। इनमें से सबसे पहले दिव्यांग युवक लीलाधर को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। लीलाधर जब मंच पर अपना नियुक्ति पत्र लेने आये तो ऑडिटोरियम भावुक को हो गया। क्योंकि लीलाधर दोनों हाथ से विकलांग है। नियुक्ति पत्र लेने के बाद लीलाधर ने वहीं मंच पर ही बैठकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम धन्यवाद पत्र अपने पैरों से लिखा। इस दौरान पूरा ऑडिटोरियम मौन साधे लीलाधर के जज्बे को सलाम कर रहा था। इस अवसर पर केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने लीलाधर के जज्बे को सारा सलाम किया और उसके लिखे पत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक पहुंचाने की मंशा व्यक्त की।

स्वच्छता ही सेवा अभियान

जैन कॉलेज में आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया।

बीकानेर, (कासं)। स्थानीय श्री जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 26 सितम्बर को युवा एवं खेल 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशील कुमार दैया एवं डॉ. राजेश कुमार रांकावत ने स्वयंसेवकों को कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शिवराम सिंह झांझडिया ने इस अभियान को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र चौधरी ने स्वयंसेवकों को श्रमदान के महत्व से अवगत कराया। श्रमदान में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य तथा स्वयंसेवक उपस्थित थे।

उप राष्ट्रपति आज बीकानेर आयेंगे

केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी (बाएं) ने उप राष्ट्रपति के बीकानेर दौरे की तैयारियों का जायजा लिया।

बीकानेर, (कासं)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 27 सितम्बर को एक दिवसीय दौरे पर सुबह 11 बजे बीकानेर आयेंगे। वे यहां बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में स्थित मूंगफली अनुसंधान केन्द्र के परिसर में प्रशिक्षु गृह का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने सभा स्थल का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व जिला प्रशासन को व्यवस्थाओं को लेकर निर्देश दिए।

कीटनाशक के असर से मौत

हनुमानगढ़, (कासं)। खेत में फसल पर कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहा किसान अचानक दवा के असर से बेहोश हो गया। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया जहां इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई। इस संबंध में पल्लू पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया है। जानकारी के अनुसार मालाराम नायक (40) निवासी गांव केलनिया ने बताया कि उसके चाचा बागाराम (50) पुत्र डूंगरराम नायक निवासी केलनिया अपने खेत में ग्वार और मोठ की फसल पर कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहे थे। छिड़काव करते समय कीटनाशक दवा के असर से उसके चाचा बेहोश होकर गिर गए। हालत नाजुक होने पर उन्हें हनुमानगढ़ रैफर कर दिया। हां इलाज के दौरान रात्रि करीब दो बजे मौत हो गई।

फसल खराबे से गुस्से में किसान, कलेक्ट्रेट पर डाला पड़ाव

हनुमानगढ़,(कासं)। गुलाबी सुंडी के प्रकोप से नरमा की फसल में हुए खराबे की विशेष गिरदावरी करवाकर प्रति बीघा 50 हजार रूपए मुआवजा देने की मांग को लेकर नरमा उत्पादक किसानों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सामने पड़ाव डाल दिया।

नरमा-कपास की फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप आने से फसल खराब हो गई। इसकी खेती पर बड़ा पैसा करने के बाद अब किसानों के हाथ खाली होने से वे बेचैन हो रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले डाले गए पड़ाव में काफी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान सभा कर किसान प्रतिनिधियों ने ठोस आश्वासन न मिलने पर बेमियादी समय के लिए पड़ाव जारी रखने की चेतावनी दी। किसान नेताओं ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यदि सरकार मांग अनसुना करती है तो किसान आगे संघर्ष की रणनीति

- **नरमा कपास में खराबे की विशेष गिरदावरी करवा प्रति बीघा 50 हजार रूपये मुआवजा देने की मांग**

अपनाएंगे। पड़ाव स्थल पर हुई सभा में किसान नेता रेशम सिंह मानुका ने कहा कि यहां कीट वैज्ञानिक आए। उन्होंने सर्वे किया लेकिन किसानों के साथ रिपोर्ट साझा नहीं की।

इसी बीच बारिश और आंधी की वजह से शेष बची नरमा की फसल भी पूर्णतया नष्ट हो गई। ग्वार और मूंग की फसल भी खराब हो गई। रेशम सिंह मानुका ने बताया कि संबंधित अधिकारियों से मूंग की खरीद को लेकर बात की गई तो उन्होंने बताया कि 1 नवम्बर से मूंग की सरकारी खरीद शुरू होगी। यानि अभी पूरा अक्टूबर पड़ा है। बारिश की वजह से मूंग की अधिकतर फसल बर्बाद हो चुकी है।

जिन किसानों ने मूंग की फसल काट ली है, उनकी मजबूरी औने-पौने दामों में बाजार में बेचने जाने की है। जबकि अधिकारी कह रहे हैं कि 1 नवम्बर से मूंग की खरीद शुरू की जायेगी। मूंग की फसल कटकर तैयार है और बाजार में पहुंच चुकी है। तब तक किसान अपने घर पर फसल नहीं रख सकता। उन्होंने बताया कि 11 सितम्बर को प्रशासन के साथ तय हुई बातों पर अमल नहीं हुआ। इसके खिलाफ किसानों ने कलक्ट्रेट के समक्ष पड़ाव डाला है। उनकी मांग है कि गुलाबी सुंडी व बारिश-आंधी से खराब हुई फसलों की विशेष गिरदावरी करवाकर नरमा का प्रति बीघा 50 हजार रुपए मुआवजा दिया जाए।

बारिश से फसलों को नुकसान

श्रीगंगानगर, (कासं)। सिद्धूवाला क्षेत्र में हुई बरसात से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरा गई है। बारिश होने से नरमा व ग्वार की फसल को नुकसान होने की आशंका है। इससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है।

खेतों में नरमा चुगाई का कार्य चल रहा था, लेकिन बरसात से कामकाज प्रभावित हो गया। किसानों का कहना है कि पांच से छह आगल बरसात हुई है। पहले सिंचाई पानी की कमी, फिर गुलाबी सुंडी और अब बरसात से नरमा की फसल प्रभावित हो रही है। क्षेत्र में रामसरा जाखड़ान, लालपुरा सिखान, पालीवाला, एक केएसआर, ढाबा झालार आदि गांवों में बरसात हुई है। क्षेत्र में हुई बरसात से गर्मी और उमस से राहत मिली। वहीं बरसात से किसान वर्ग परेशान नजर आया। वर्तमान में बारिश से खेतों में खड़ी नरमा कपास की फसल खराब हो रही है। अभी नरमा की चुगाई का कार्य चल रहा है। किसानों का कहना है कि असमय बरसात से उत्पादन प्रभावित होगा।

121 पदों पर भर्ती की तैयारी में जुटा नगर निगम

बीकानेर, (कासं)। नगर निगम में 121 सफाई कर्मचारी पदों पर भर्ती होनी है। भर्ती को लेकर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार निगम स्तर पर कंट्रोल रूम गठित करने के साथ नोडल अधिकारी भी नियुक्त करना है। निगम आयुक्त के. एल. मीणा ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के तहत तय कार्यक्रम अनुसार भर्ती प्रक्रिया संपन्न करवाई जायेगी।

प्रदेश की नगरीय निकायों में सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर स्वायत्त शासन विभाग की ओर से दिनांक वार भर्ती प्रक्रिया कार्यक्रम घोषित करने के बाद नगर निगम तैयारियों में जुट गया है। बीकानेर नगर निगम में 121 सफाई कर्मचारी पदों पर भर्ती होनी है।

भर्ती को लेकर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार निगम स्तर पर कंट्रोल रूम गठित करने के साथ नोडल अधिकारी भी नियुक्त करना है। निगम आयुक्त के एल मीणा ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के

- **नगर निगम में 121 सफाई कर्मचारी पदों पर भर्ती होगी**

तहत तय कार्यक्रम के अनुसार भर्ती प्रक्रिया संपन्न करवाई जायेगी। निगम उपायुक्त को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ उपायुक्त की अध्यक्षता में एक भर्ती कमेटी का भी गठन किया जा रहा है। कंट्रोल रूम गठित करने के भी निर्देश दे दिये गए है।

सफाई कर्मचारी भर्ती की प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार नगर निगम प्राप्त ऑनलाइन आवेदन पत्रों का वर्गवार आरक्षित पदों के अनुसार वर्गीकरण करेगा। यह कार्य 26 से 29 सितम्बर तक होना है। वहीं निकाय स्तर पर वर्गीकृत आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी का कार्य 3 से 13 सितम्बर तक होगा।

61 रोगियों के लैंस प्रत्यारोपित

गंगाशहर, (कासं)। गंगाशहर राजकीय सैटेलाइट चिकित्सालय में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 157 रोगियों के नेत्रों की जांच व इलाज किया गया।

गंगाशहर नागरिक परिषद के सम्पतलाल दुगड़ ने बताया कि इस शिविर में बीकानेर जिले के आस-पास के ग्रामीण इलाकों व गंगाशहर, भीनासर से आये ऑपरेशन योग्य चयनित 61 रोगियों के एस.आई.सी.एस. विधि से लैंस प्रत्यारोपित किये गये। ऑपरेशन नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. संजीव सहगल ने किये। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मुकेश वाल्मीकि ने बताया कि शिविर में बीकानेर क्षेत्र के दूरदराज गांवों से आये रोगियों की नेत्र शल्य चिकित्सा की गई। गंगाशहर नागरिक

- **चिकित्सा शिविर में 157 रोगियों के नेत्रों की जांच की गई**

परिषद के महेन्द्र चौपड़ा ने बताया कि इस शिविर में नेत्र चिकित्सक सहायक दिलीप सिंह, सीताराम व युसूफ व अन्य कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बच्छराज रांका, विनीत बोथरा आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। जतनलाल दुगड़ ने बताया कि हर माह लगाये जाने वाले दो नेत्र चिकित्सा शिविरों के क्रम में अगला निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर 10 अक्टूबर को राजकीय सैटेलाइट अस्पताल, गंगाशहर में आयोजित होगा।

कोचुवेली ट्रेन लालगढ़ में रूकेगी

श्रीगंगानगर, (कासं)। रेलवे प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा हेतु श्रीगंगानगर-कोचुवेली-श्रीगंगानगर साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलसेवा का लालगढ स्टेशन पर प्रयोगिक तौर पर आगामी आदेशों तक ठहराव दिया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाडी संख्या 16311 श्रीगंगानगर-कोचुवेली साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलसेवा जो 26 सितम्बर से श्रीगंगानगर से प्रस्थान करेगी। वह लालगढ़ स्टेशन पर 18.26 बजे आगमन एवं 18.28 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 16312 एक्सप्रेस साप्ताहिक जो 30 सितम्बर से कोचुवेली से प्रस्थान करेगी वह लालगढ़ स्टेशन पर 20.40 बजे आगमन एवं 20.42 पर प्रस्थान करेगी।

वेतन, पेंशन नहीं मिलने से रोडवेज कर्मियों में रोष

बीकानेर, (कासं)। वेतन, पेंशन नहीं मिलने से आक्रोशित रोडवेज कर्मियों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया।

गत पांच सालों से रोडवेज कर्मचारियों को समय पर वेतन, पेंशन व विभिन्न रिटायरल भुगतान विलंबित व समय पर नहीं मिलने से आर्थिक तंगी झेल रहे हैं। अभी तक दो माह समाप्ति पर होने के बावजूद वेतन, पेंशन नहीं मिले हैं। रोडवेज के उच्च प्रशासन को निरंतर ज्ञापन, प्रदर्शन, आंदोलनों द्वारा चेताया जाता रहा है पर रोडवेज की अफशरशाही कुछ सुनने को तैयार ही नहीं है।

ऐसा लगता है उन पर राज्य सरकार का कोई अंकुश व नियंत्रण है ही नहीं है। वेतन, पेंशन नहीं मिलने से

- **दो माह समाप्ति पर होने के बावजूद अभी तक वेतन, पेंशन नहीं मिली**

आक्रोशित रोडवेज कर्मियों ने आज प्रदर्शन किया। शाखा सचिव गिरधारी लाल ने बताया कि रिटायर्ड होने के लम्बे अंतराल तक समय पर विभिन्न रिटायरल भुगतान नहीं मिलते। सरकार ने रोडवेज में ओल्ड पेंशन तो लागू कर दी परंतु इसके आदेश रोडवेज ने मनमाने तरीकों से तोड़ मरोड़ कर लागू करने से कर्मचारियों को ओपीएस का लाभ नहीं मिल रहा है।

ओपीएस की राशि मनमानी, बेहिसाबी वसूली की जा रही है जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। केवल जीपीएफ फंड करोड़ों में संचय करने पर जोर दिया जा रहा है। ओपीएस की राशि माह मई में जमा कराने के बावजूद अभी तक ओपीएस पेंशन चालू नहीं की जा रही है।

सचिव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना में माह मई 23 को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन दिल्ली (ईपीएफओ) द्वारा उच्च वेतन पर हायर पेंशन देना तय किया परंतु इसका रिकॉर्ड रोडवेज द्वारा पूरा नहीं किया जाने व ईपीएफओ को उपलब्ध नहीं कराने से हायर पेंशन मिलने में रोड़ा अटक रहा है। 80 प्रतिशत कर्मचारियों को नुकसान हो रहा है।

बीकाजी इंडस्ट्रीज अपने पात्र कार्मिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं : नित्या के.

बीकानेर,(कासं)। वोटर अवेयरनेस फोरम (वी.ए.एफ.) के तहत मंगलवार को बीकाजी इंडस्ट्रीज में जागरूकता की गतिविधियां आयोजित की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा स्वीप प्रकोष्ठ प्रभारी नित्या के. थी। उन्होंने कहा कि वोटर अवेयरनेस फोरम के माध्यम से किसी संस्थान में काम करने वाले सभी कार्मिकों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा वी.ए.एफ. के तहत बीकाजी समूह के साथ एमओयू हुआ है। इसी श्रृंखला में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि बीकाजी इंडस्ट्रीज अपने शत-प्रतिशत पात्र कार्मिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाकर, उन्हें मतदान के लिए प्रेरित कर मिसाल कायम करें। इससे दूसरे औद्योगिक संस्थान भी

बीकाजी इंडस्ट्रीज में मतदाता जागरूकता अभियान में स्वीप प्रकोष्ठ प्रभारी नित्या के. ने श्रमिकों को मतदान की शपथ दिलाई।

प्रेरित होंगे। इस दौरान उन्होंने मतदान की शपथ भी दिलाई। यहां कार्मिकों ने ईवीएम वीवीपेट की कार्यप्रणाली के बारे में जाना।

बीकाजी इंडस्ट्रीज की निदेशक श्वेता अग्रवाल ने मतदाता जागरूकता अभियान में भागीदारी के बारे में बताया और कहा कि संस्थान द्वारा इस दिशा में सकारात्मक सहयोग किया जायेगा।

- **जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा वी.ए.एफ. के तहत बीकाजी समूह के साथ एमओयू हुआ**

सीओओ मनोज वर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रबंधक राजकुमार व्यास और शंभुदयाल गुप्ता भी इस दौरान मौजूद थे।

मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र राठी ने 17 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं के मतदाता सूचियों में प्री-रजिस्ट्रेशन, 80 साल से अधिक आयु के मतदाताओं तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों के लिए होम वोटिंग व्यवस्था के बारे में बताया। इस दौरान वोटर हेल्पलाइन ऐप, सक्षमा ऐप, सी विजिल ऐप सहित विभिन्न मोबाइल ऐप की जानकारी दी गई।

पूगल में 3.45 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

बीकानेर, (कासं)। आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने मंगलवार को पूगल की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 3 करोड़ 45 लाख रूपए की लागत से करवाए गए विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

पूगल मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि खाजूवाला का सर्वांगीण विकास उनका संकल्प है। इस दिशा में सतत रूप से कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि 3 करोड रूपए से अधिक राशि से हुए कार्य आमजन के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। विकास के इस क्रम को रूकने नहीं दिया जायेगा। आपदा प्रबंधन मंत्री ने कहा कि नए विजन के साथ खाजूवाला में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। भविष्य में इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया तथा कहा कि अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को इन

आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने पूगल में विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई जाए, जिससे वह इनका लाभ उठा सके। इसके तहत आमजन के सुझाव आमंत्रित किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान मिशन 2030 के माध्यम से प्रदेश को अग्रणी राज्यों में शामिल करने का संकल्प लिया है। इस दौरान पूगल एसडीएम मनोज खेमादा, तहसीलदार आदित्या, पूगल सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद अली, सत्तासर सरपंच बरकत अली पड़िहार आदि मौजूद थे।

मतदाता जागरूकता की मुहिम से सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर भी जुड़ेंगे : कलाल

बीकानेर, (कासं)। मतदाता जागरूकता की मुहिम से सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर भी जुड़ेंगे। इसके लिए मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल की अध्यक्षता में सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर मीट आयोजित की गई।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म की महती भूमिका है। प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ सोशल मीडिया तेजी से उभरता माध्यम है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर काम करने वाले इनफ्लूएंसर मतदाता जागरूकता अभियान से जुड़ेंगे तो अच्छे परिणाम सामने आयेंगे।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से मतदाताओं तक विभिन्न सूचनाएं पहुंचती रहे तो वे अधिक जागरूक होंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता बिना लोभ, भय अथवा प्रलोभन के अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, यह निर्वाचन कार्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है।

निर्वाचन कार्यालय द्वारा सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर के

स्वीप के तहत सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स मीट को जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल (बीच में) ने संबोधित किया।

उपयोग के लिए इनपुट उपलब्ध करवाया जायेगा। साथ ही सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर चाहें तो निर्वाचन कार्यालय से अनुमोदन के बाद अपने कंटेंट भी शेयर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़कर सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी प्रभावी भूमिका निभायेंगे।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा स्वीप प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रभारी नित्या के. कहा कि स्वीप प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न माध्यमों से प्रत्येक मतदाता तक पहुंचाने के प्रयास किया जा रहे हैं। निर्वाचन कार्यालय के अलावा 21 विभागों के सहयोग से जागरूकता की सघन गतिविधियां बूथ स्तर तक आयोजित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर पूर्ण गंभीरता और जागरूकता के साथ सटीक कंटेंट शेयर करें, जिससे अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया जा सके तथा उनकी भ्रांतियां दूर हों।

सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक सत्येंद्र सिंह राठौड़ ने

■ कलेक्टर ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से मतदाताओं तक विभिन्न सूचनाएं पहुंचती रहे तो वे अधिक जागरूक होंगे

कहा कि ई-मित्र के लोकल सर्विस प्रोवाइडर्स द्वारा भी मतदाता जागरूकता अभियान में सहयोग किया जायेगा। मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र राठी ने विभिन्न मोबाइल एप्स तथा ई-सर्टिफिकेट के बारे में बताया। इस दौरान ईवीएम वीवीपेट का प्रदर्शन भी किया गया। सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर रोहित शर्मा तथा आदित्य कुलडिया ने पहली बार वोट करने से पहले ईवीएम की कार्य प्रणाली जानी। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रतिभागियों को मतदान की शपथ दिलाई।

इस दौरान जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरिशंकर आचार्य, एसीपी गगन भाटिया, ट्रेनर हरिहर राजपुरोहित, पवन खत्री मोहम्मद आरिफ, अमित सोनी, रवि गहलोत आदि मौजूद थे।

गणेश महोत्सव परवान पर

बीकानेर, (कासं)। गणेश चतुर्थी से प्रारंभ हुआ दस दिवसीय गणेश पूजन उत्सव परवान पर है।

घरों और गली-मौहल्लों में स्थापित की गई गणेश प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना का क्रम जारी है। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान गणपति का पूजन कर मोदक का भोग लगाया जा रहा है। गणेश स्त्रोत पाठ, मंत्र जाप चल रहे है। देर शाम से रात तक भक्ति संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। पूजन उत्सव की पूर्णाहुति अनन्त चतुर्दशी के दिन होगी।

दस दिवसीय पूजन उत्सव में पार्थिव (मिट्टी) से गणेश प्रतिमाएं बनाकर उनके नित्य पूजन का अनुष्ठान भी कई स्थानों पर चल रहा है। धार्मिक ग्रंथों में पार्थिव गणेश निर्माण और पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। गजनेर रोड स्थत लक्ष्मी हैरिटेज के पीछे किराडू गली में चल रहे पार्थिव गणेश निर्माण-पूजन अनुष्ठान में रविवार को 1100 पार्थिव गणेश प्रतिमाएं बनाकर उनकी पूजा-अर्चना की गई।

पंडित विमल किराडू के सानिध्य में वेदपाठी ब्राह्मणों के सामूहिक मंत्रोचार के बीच प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा, पूजन, आरती, पाठ, मंत्र जाप हुआ। अनुष्ठान में बच्चे और महिलाएं भी प्रतिमाओं को बनाने में सहयोग कर रहे हैं। गणेश चतुर्थी से घरों में भी दस दिवसीय पूजन अनुष्ठान चल रहे है। गणेश प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर आरती की जा रही है। घर-परिवार के सदस्य पूजन कार्य में शामिल हो रहे है। भगवान गणेश के जयकारे गूंज रहे हैं।

सार-समाचार

संविदा टी.बी. कर्मियों ने ज्ञापन सौंपा

संविदा टी. बी. कर्मचारियों ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा।

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम टीबी कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को कांट्रेक्चुअल सर्विस रूल 2022 में सम्मिलित करने के लिए ज्ञापन सौंपा। जिले के टीबी कार्यक्रम में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। उक्त संविदा टीबी कर्मचारी 18 सितम्बर से सामूहिक अवकाश पर है। उनकी मांग है कि उनको कांट्रेक्चुअल सर्विस रूल 2022 में सम्मिलित किया जाए। बीकानेर जिले के टीबी संविदा कर्मचारियों के साथ सरकार द्वारा उपेक्षित व्यवहार किया जा रहा है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है और टीबी कर्मचारी लगातार अपनी सेवाएं दे रहे है। कोरोना काल में भी जिले के संविदा टीबी कर्मचारियों ने निरन्तर सेवाएं दी। किसी भी मरीज को टीबी दवाईयां संबंधित कोई भी परेशानी नहीं होने दी। घर-घर जाकर दवाईयां उपलब्ध करवाई परन्तु अब सरकार के उपेक्षित व्यवहार से उनको भविष्य की चिंता हो रही है। 18 सितम्बर से सामूहिक अवकाश के कारण भी सरकार उनकी ओर ध्यान नहीं दे रही है। प्रदेशाध्यक्ष प्रताप सिंह सोढ़ा ने बताया कि यदि ये हक की लड़ाई है। जिले के टीबी कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर है, जिससे जिले में टीबी के मरीज को दवा उपलब्ध होने में परेशानी हो रही है। टीबी अस्पताल में भी मरीज की जांच एवं उपचार प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में प्रताप सिंह प्रदेशाध्यक्ष, रमेश सिंह, करण पाल सिंह, राजेन्द्र रामावत, सुरेन्द्र रामावत, जगदीश रोकना, जॉनी डेनियल, रुखसार अली, जयकुमार आचार्य, मोहनलाल, कमल सिंगारिया एवं विभिन्न ब्लॉक के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

महिलाओं ने ली मतदान की शपथ

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला कृषकों को मतदान करने की शपथ दिलाई।

बीकानेर, (कासं)। कृषि विभाग द्वारा ब्लॉक क्षेत्रों में आयोजित महिला प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान मंगलवार को मतदाता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियां हुई। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) कैलाश चौधरी ने बताया कि यह शिविर महिला कृषक के कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन के लिए आयोजित किया जा रहा है। इसी श्रंखला में नोखा के जसरासर, श्रीडूंगरगढ के सूडसर, कोलायत के विजयसिंहपुरा, लूणकरनसर के खियेरा में मंगलवार को यह शिविर हुए। इस दौरान संबंधित क्षेत्र के सहायक कृषि अधिकारियों ने महिला कृषकों को नई कृषि तकनीकी का प्रशिक्षण दिया गया। स्वीप नोडल कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत ने अवगत करवाया कि इस अवसर महिला किसानों को लोकतंत्र में मतदान की महत्ता के बारे में बताया गया। मतदान की शपथ दिलवाई गई व मतदान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का आव्हान किया गया। इन महिलाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटाने और संशोधन के प्रपत्रों की जानकारी भी दी गई।

श्रावक-श्राविका सम्मान समारोह

बीकानेर, (कासं)। तेरापंथी सभा की ओर से तेरापंथ भवन भीनासर में विकास महोत्सव वरिष्ठ श्रावक-श्राविका सम्मान समारोह के रुप में मनाया गया। वहीं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा गंगाशहर की ओर से शांति निकेतन में 30 वां विकास महोत्सव आयोजित किया गया। तेरापंथी सभा की ओर से तेरापंथ भवन भीनासर में विकास महोत्सव वरिष्ठ श्रावक-श्राविका सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुनि चैतन्य कुमार अमन ने कहा कि आचार्य तुलसी ने अणुव्रत, जीवन विज्ञान तथा प्रेक्षाध्यान के रूप मानवता के कल्याण के लिए जो अवदान दिया, वह भारतीय इतिहास की एक अनमोल धरोहर है। वे विकास पुरुष थे। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग लोगों में ज्ञान व अनुभवों का खजाना होता है। उन्हें भार नहीं उपहार मानना चाहिए। ये पूरे परिवार की आन-बान-शान होते है। तेरापंथ महिला मंडल की ओर से मंगलाचारण किया गया। कार्यक्रम में तुलसी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हंसराज डागा, महावीर रांका, राजेन्द्र सेठिया, जसकरण सेठिया, ट्वींकल सेठिया तेयुप अध्यक्ष मोहित सेठिया, तेरापंथ सभा अध्यक्ष पानमल डागा ने विचार रखे। महिला मंडल अध्यक्ष शशि गोलछा व पानमल डागा ने वरिष्ठ श्रावक-श्राविकाओं को सम्मान पत्र, सामायिक किट आदि प्रदान कर सम्मानित किया। श्रावक पारस बोथरा नेदस की तपस्या का प्रत्याख्यान किया। तपस्वी का सम्मान कमला देवी सेठिया ने किया।

अजमेर से बोलेरो चोरी के आरोपी हनुमागढ़ से गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। अजमेर के गोविन्द नगर क्षेत्र से बोलेरो चोरी करने वाले दो आरोपियों को रामगंज थाना पुलिस ने हनुमानगढ़ से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी गई बोलेरो भी उनसे बरामद कर ली है।

आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने 200 से भी ज्यादा सीसीटीवी खंगाले। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने किशनगढ़ में एक वारदात कबूली है। रामगंज थाना पुलिस के अनुसार, जाट मोहल्ला, गहलोता, नरेना, जिला दूदू हाल गली नं. 6, गोविन्द नगर, रामगंज निवासी सौरभ कुमार चौधरी (56) पुत्र छोगाराम ने गत 19 सितम्बर को रिपोर्ट दी थी कि उसके घर के बाहर से उसकी बोलेरो चोरी हो गई है। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

गिरफ्तार आरोपियों में वार्ड-1, दुर्गा कॉलोनी, नोहर, जिला हनुमानगढ़ निवासी पवन वर्मा पुत्र विजय वर्मा और राकेश वर्मा (22) पुत्र रामफल हैं। दोनों को पुलिस टीम ने नोहर, हनुमानगढ़ से डिटेन किया है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने हाल ही किशनगढ़ से पिकअप चुराना भी स्वीकार किया है। पुलिस

■ आरोपियों ने किशनगढ़ से भी पिकअप चोरी करना कबूल किया

टीम को आरोपियों से वाहन चोरी की और भी वारदातें खुलने की उम्मीद है।

थाना स्टाफ, डीएसटी व साइबर सेल की विशेष टीम ने घटना स्थल के आसपास व हाईवे पर लगे करीब 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए। साइबर सेल ने बीटीएस टावर से भी रिकॉर्ड लेकर कई संदिग्ध को ट्रेस किया। उनके मोबाइल नम्बर के आधार पर आरोपियों की लोकेशन प्राप्त की। उनको तलाशने में चूरू व हनुमानगढ़ पुलिस का भी सहयोग मिला। दोनों आरोपियों को नोहर से डिटेन कर लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

महिला कर्मचारी से हाथापाई प्रकरण में नया मोड़ : हनुमानगढ़ की ग्राम पंचायत नवां कार्यालय में महिला कनिष्ठ सहायक से हाथापाई करने व सरकारी कागजात फाडने के मामले में नया मोड़ आ गया है। दूसरे पक्ष की महिला ने दो जनों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मनरेगा महिला श्रमिक ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि 20 सितम्बर को मनरेगा मजदूरों को पंचायत भवन में बुलाया गया था।

आरोप है कि वहां जुमा खां व यासीन खां दोनों निवासी नवां ने उससे बदतमीजी की तथा अश्लील हरकतें की। विरोध करने पर गालियां निकाली और मारपीट की। आरोपियों ने नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि 21 सितम्बर को ग्राम पंचायत नवां में कनिष्ठ सहायक के पद पर पदस्थापित किरण सैनी निवासी आरसीपी कॉलोनी, जंक्शन पुलिस थाने में कई महिला व पुरूष मनरेगा श्रमिकों पर ग्राम पंचायत भवन में जबरन घुसकर कार्यालय में हाथापाई करने, मोबाइल फोन छीनने, कुछ रिकॉर्ड के दस्तावेत फाडने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया था।

मेले में मिले बीमार की मौत

हनुमानगढ़, (कासं)। गोगामेड़ी मेले से बीमार हालत में भर्ती करवाए गए अज्ञात व्यक्ति की हनुमानगढ़ टाउन के सरकारी जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

गोगामेड़ी मेले से बीमार हालत में भर्ती करवाए गए अज्ञात व्यक्ति की हनुमानगढ़ टाउन के सरकारी जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस शव को मोर्चरी में रखवाकर मृतक की पहचान के प्रयासों में जुटी है। इस संबंध में गोगामेड़ी पुलिस थाना में मर्ग दर्ज की गई है।

गोगामेड़ी पुलिस के अनुसार गोगामेड़ी में चल रहे मेले से 21 सितम्बर को अज्ञात व्यक्ति को बीमार हालत में गोगामेड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती करवाया गया था। उसे गोगामेड़ी सीएचसी से हनुमानगढ़ रैफर कर दिया।

हनुमानगढ़ टाउन के राजकीय जिला अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कर उसका का इलाज शुरू किया गया। सोमवार को इलाज के दौरान उक्त शख्स की मौत हो गई। इस संबंध में गुरूमुख पुत्र गुरूचंद जटसिख निवासी 22 एनटीआर तहसील नोहर की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर एएसआई रणवीर सिंह को सौंपी गई है।

आज खाजूवाला बाजार बंद का आव्हान

खाजूवाला, (कासं)। खाजूवाला बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले 50 वें दिन भी उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के सामने धरना जारी रहा।

संघर्ष समिति की ओर से खाजूवाला-छतरगढ़ को बीकानेर जिले में शामिल करने की मांग पिछले डेढ़ माह से की जा रही है। यहां कई बार चक्काजाम व बाजार बंद कर विरोध प्रदर्शन किया जा चुका है। अब एक बार फिर से संघर्ष समिति के तत्वावधान में व्यापारियों ने 27 सितम्बर को विरोध स्वरूप बाजार बंद करने की चेतावनी दी है।

खाजूवाला खाद्य व्यापार संघ अध्यक्ष मोहनलाल सिहाग ने बताया कि खाजूवाला बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में 50 वें दिन भी धरना जारी रहा। कैबिनेट मंत्री ने खाजूवाला-छतरगढ़ को बीकानेर में शामिल करने का वायदा किया था, लेकिन जनता आज भी इस फैसले का इंतजार कर रही है। वहीं एक ही मांग की जा रही है। खाजूवाला-छतरगढ़ को लेकर डी-नोटिफिकेशन जारी नहीं होता है, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि

■ खाजूवाला-छतरगढ़ को बीकानेर जिले में शामिल करने की मांग

खाजूवाला, छतरगढ़, पूगल, दंतौर, लूणकरनसर, श्रीडूंगरगढ़ सहित कई स्थानों पर 27 सितम्बर को धान मण्डी बंद रखी जायेगी। इसके साथ ही संयुक्त व्यापार संघ खाजूवाला की ओर से निर्णय लिया गया कि खाजूवाला का सम्पूर्ण बाजार बंद रखा जायेगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बीकानेर संभाग में दौरा प्रस्तावित हुआ था। तब लोगों में उम्मीद जगी थी कि मुख्यमंत्री खाजूवाला आयंगे तथा डी-नोटिफिकेशन की घोषणा करेंगे। लेकिन अब दौरा श्रीगंगानगर में होगा। इसको लेकर लोगों में निराशा भी है। वहीं खाजूवाला-छतरगढ़ को बीकानेर जिले में शामिल करने के लिए डी-नोटिफिकेशन कब तक जारी होगा। इसको लेकर पूरे दिन चर्चाओं का दौर यहां गर्म रहता है।

थार मरूस्थल की जैव विविधता पर व्याख्यान

बीकानेर, (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के प्राणी शास्त्र विभाग में थार मरूस्थल की जैव विविधता पर एमजीएसयू के प्रो. अनिल कुमार छंगाणी का विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ मेघना शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जोधपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. एल. श्रीवास्तव द्वारा की गई। प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नरेश व्यास ने कहा कि प्रोफेसर छंगाणी इसी विभाग और विश्वविद्यालय की एलुमिनाई है तथा इन्होंने इसी विभाग से स्नातकोत्तर, शोध एवं डीएससी का कार्य संपन्न किया था। उन्होंने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए इस तरह के व्याख्यान विभाग में समय-समय पर कराये जा रहे हैं। प्रो. छंगाणी ने अपने व्याख्यान में बताया कि थार मरुस्थल की जैव विविधता बहुत ही समृद्ध है और यहां के जीवन में इसका बहुत बड़ा योगदान है। इस जैव विविधता के चलते कोविड महामारी के दौरान भी थार मरुस्थल के लोगों को जीवन यापन हेतु बहुत बड़ा सहयोग दिया। लेकिन आज थार की जैव विविधता को मानव गतिविधियों से बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है।

निशुल्क रेबीज वैक्सीनेशन कल

बीकानेर, (कासं)। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में कैंनाइन वेलफेयर सोसायटी बीकानेर के सहयोग से रेबीज दिवस के उपलक्ष में गुरूवार को एक दिवसीय रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जायेगा।

विभागाध्यक्ष, वेटरनरी मेडिसिन विभाग, वेटरनरी कॉलेज बीकानेर के प्रो. ए. पी. सिंह ने बताया कि विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर वेटरनरी मेडिसिन विभाग के क्लीनिक्स परिसर में प्रातः 9 बजे से श्वानों में निःशुल्क रेबीज प्रतिरोधक टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परिक्षण व परामर्श शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में निःशुल्क रेबीज टीकाकरण होगा।

स्टे की अवहेलना कर पुलिस पर कब्जा कराने का आरोप

हनुमानगढ़, (कासं)। जंक्शन स्थित गोयल एस्टेट कॉलोनी के निवासियों ने एसपी को ज्ञापन भेजकर पुलिस पर भूमाफिया के साथ मिलकर कॉलोनी के निर्धारित रास्ते पर कब्जा करवाने के प्रयास का आरोप लगाया।

ज्ञापन में बताया कि सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हनुमानगढ़ की ओर से 22 मार्च 2023 को स्टे देने के बावजूद 25 सितम्बर की रात्रि को जंक्शन थाने में तैनात एक एएसआई ने भूमाफिया की मदद के लिए मौके पर खड़े होकर ना सिर्फ कॉलोनी में रास्ते की भूमि पर

■ गोयल एस्टेट कॉलोनी में रास्ते की भूमि पर कब्जा करने का मामला

कब्जा करवाने की कोशिश की बल्कि न्यायालय के आदेशों की भी अवमानना की।

कब्जा करने आये लोगों का इन्तकाल भी 23 सितम्बर को राजस्व विभाग की ओर से गलत आधारों पर रास्ते की भूमि को बाग की भूमि दिखाते हुए करवाया गया था। उसे निरस्त कर दिया गया है। उनके पास जमीन पर कब्जा करने का कोई अधिकार नहीं है। इसके बावजूद कब्जे का प्रयास कर रास्ते को नुकसान पहुंचाया गया। कॉलोनीवासियों ने तुरन्त प्रभाव से उक्त एएसआई को लाइन हाजिर कर विभागीय जांच की मांग की है। हालांकि वार्डवासियों की जागरुकता से बाद में पुलिस प्रशासन के सहयोग से निर्माण रूकवा दिया गया। ज्ञापन भेजने वालों में लोकेश शर्मा, रूकमणी शम्र, सुनीता शर्मा, पवन कुमार, सुनीता मीणा, संगीता, अंजुबाला, नेहा शर्मा, नीरज कुमार आदि शामिल थे।

'संभाग स्तरीय अमृता हाट में कई जिलों के 131 स्वयं सहायता समूह भागीदारी निभायेंगे'

बीकानेर, (कासं)। 3 से 9 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय अमृता हाट में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 131 स्वयं सहायता समूह भागीदारी निभाएंगे। संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया ने मंगलवार को अमृता हाट की तैयारी बैठक में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जय्नारायण व्यास कॉलोनी स्थित ग्रामीण हाट में आयोजित होने वाले इस मेले का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बिक्री के लिए एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं कर लें। संभागीय आयुक्त ने कहा कि मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद, नृत्य, बीएसएफ, आरएसी और पुलिस बैण्ड सहित बीकानेर के प्रसिद्ध कलाकारों को नृत्य और गायन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि आने वाली महिलाओं की हीमोग्लोबिन, पेप्सीमियर आदि की जांच करें तथा एक मेडिकल टीम 24 घंटे मेला स्थल पर

संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया ने संभाग स्तरीय अमृता हाट मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

उपलब्ध रहे।

संभागीय आयुक्त ने महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक मेघा रतन को आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, बैठक, स्टॉल आवंटन, भोजन, सुरक्षा आदि से संबंधित कार्यों का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने महिला अधिकारिता विभाग को मेले से संबंधित पंपलेट, आमंत्रण पत्र, जिंगल तथा एफएम रेडियो से समन्वय कर प्रचार-प्रसार

■ संभाग स्तरीय अमृता हाट 3 से 9 अक्टूबर तक आयोजित होगा

विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने सूचना एवं प्रौद्योगिकी को मेले में एलईडी के माध्यम से विभिन्न विभागों की उपलब्धियां एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी डिस्प्ले करवाना सुनिश्चित करें। मेले के दौरान एक स्टॉल से कम से कम 500 रूपए की खरीददारी करने वाले ग्राहक को लकी ड्रॉ का विजेता बनने का अवसर मिलेगा। बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के., अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) जगदीश प्रसाद गौड़, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मोहम्मद अबरार, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक कपूर शंकर मान आदि शामिल थे।

ओ.बी.सी. संवाद कार्यक्रम में योजनाओं की जानकारी दी

हनुमानगढ़, (कासं)। पिछड़े वर्गों के कल्याण, उत्थान हेतु आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों, लाभार्थियों आदि के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग के विकास संबंधी योजनाओं एवं विभिन्न विषयों पर सुझाव आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।

इसी सिलसिले में संगरिया ब्लॉक में ओ.बी.सी. संवाद कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को नगर पालिका सभागार में ओबीसी वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष पवन गोदारा कि अध्यक्षता में किया गया। सभी आमंत्रित जनप्रतिनिधियों व अधिकारी, कर्मचारियों ने ओबीसी के कल्याण हेतु योजनाओं के सुदृढ़ीकरण पर सुझाव दिए।

राज्यमंत्री गोदारा ने कहा कि ओबीसी के लिए संचालित योजनाओं में क्या सुधार किया जा सकता है और उन्हें कैसे बेहतर बनाया जा सकता है, इसके लिए सुझाव लिए गए है। सुझावों के आधार पर आयोग अपना प्रतिवेदन

संगरिया में ब्लॉक स्तरीय ओ.बी.सी. संवाद कार्यक्रम को ओ.बी.सी. वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष पवन गोदारा ने संबोधित किया।

राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा।

सुझाव में ओबीसी वित्त विकास निगम द्वारा संचालित योजनाओं, राज्य सरकार की बेहतरीन जनकल्याणकारी योजनाओं तथा ओबीसी वित्त विकास निगम से ऋण प्राप्ति में आ रही समस्याओं के बारे में पूछा गया है। सीडब्लयूसी अध्यक्ष जितेंद्र गोयल ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले पांच वर्षों में बेहतरीन कार्य किया है। और देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री की यह दूरगामी सोच है कि वह प्रदेश को और अधिक उन्नति की ओर लेकर जाना चाहते हैं, जिसके लिए आमजन से सुझाव मांगे जा रहे हैं।

एक अविश्वसनीय टेस्ट करियर के लिए बधाई, लाल गेंद के सबसे बेहतरीन और सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक। वास्तविक लीजेंड। आपकी यात्रा और दृढ़ संकल्प बेहद प्रेरणादायक रहे हैं। अगले चरण के लिए शुभकामनाएं ब्रॉडी। -युवराज सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, इंग्लैंड के क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रांड के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

चिंगलेनसाना सिंह

भारतीय फुटबॉलर चिंगलेनसाना सिंह कोझिकोड में मई की एक उमस भरी शाम जब मैदान से ड्रेसिंग रूम लौटे तो उन्होंने देखा कि उनके फोन पर बहुत सारे 'मैसेज' और 'मिस्ड कॉल' थीं। चिंतित चिंगलेनसाना ने तुरंत वापस फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। हिंसाग्रस्त मणिपुर के इस सेंटर बैक को हालांकि जल्द ही पता चल गया कि राज्य में तीन मई को शुरू हुई हिंसा में वह अपना लगभग सब कुछ खो चुका है। तीन मई को ही यह फुटबॉलर कोझिकोड में मोहन बागान के खिलाफ एएफसी कप प्ले ऑफ में हैदराबाद एफसी का प्रतिनिधित्व कर रहा था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

एडी डीविलियर्स की हैरतअंगेज भविष्यवाणी

विराट कोहली वर्ल्ड कप 2023 के बाद लेंगे संन्यास

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली इस वक्त अपने करियर के उस पड़ाव पर हैं, जहां वह मैदान पर उतरते ही कोई ना कोई रिकॉर्ड अपने नाम कर लेते हैं। कोहली जल्द ही आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 में धमाल मचाते हुए नजर आएंगे, जिसका आगाज 5 अक्टूबर से होने जा रहा है। हालांकि, वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले कोहली के दोस्त और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने एक बेहद हैरतअंगेज भविष्यवाणी की है। एबीडी का कहना है कि अगर भारत वर्ल्ड कप जीत गया तो कोहली वनडे फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर सकते हैं।

डिविलियर्स को लगता कि कोहली का साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे में खेलना मुश्किल है। ऐसे में 34 वर्षीय कोहली वनडे से संन्यास लेकर टेस्ट पर फोकस कर सकते हैं। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मुझे मालूम है कि कोहली को (2027 विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करना पसंद है, लेकिन यह कहना बहुत मुश्किल है। इसमें बहुत समय बाकी है। मुझे लगता है कि विराट कोहली आपको यही बताएंगे। मुझे लगता है अगर वे यह वर्ल्ड कप जीतते हैं तो यह वनडे से संन्यास का बुरा समय नहीं होगा। मुझे लगता है कि वह कहेंगे, मैं शायद अगले कुछ वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट और थोड़ा-बहुत आईपीएल खेलूंगा। करियर के अंतिम पड़ाव का आनंद लें और परिवार के साथ पर्याप्त समय बिताएं और अलविदा कहें।

कोहली महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के अब तक कई रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। वह हाल ही में सचिन को पछाड़कर वनडे में सबसे तेज 13 हजार रन कंप्लीट करने वाले प्लेयर बने हैं। कोहली के निशाने पर सचिन का वनडे में सर्वाधिक 49 शतक का रिकॉर्ड भी है। कोहली अभी तक 47 वनडे सेंचुरी जमा चुके हैं। हालांकि, डिविलियर्स का कहना है कि कोहली कभी रिकॉर्ड पर फोकस नहीं करते।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोहली का ध्यान उसपर है। वह कभी अपने बारे में सोचने वाले शख्स नहीं रहे। वह अपनी टीम के लिए वर्ल्ड कप जीतना चाहते हैं और खेल के सभी प्रारूपों में एक सफल टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं। वह एक टीम प्लेयर हैं और यही भावनाएं आपको मैदान पर पर दिखती हैं। खासकर, जब वह फील्डिंग कर रहे होते हैं। वो इमोशन आपको बताते हैं कि उनके लिए जीतना कितना मायने रखता है।

वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया के मेंटॉर हो सकते हैं रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या रविचंद्रन अश्विन को भारत की वनडे विश्व कप की टीम में जगह मिलेगी? उनको चोटिल ऑलराउंडर अक्षर पटेल के रिप्लेसमेंट के रूप में देखा जा रहा है और इसी वजह से उनको ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया था। अश्विन ने इस सीरीज के पहले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इससे इस बात की गारंटी नहीं मिलती कि उनको वर्ल्ड कप 2023 के लिए मुख्य टीम में प्रवेश मिलेगा। टीम मैनेजमेंट अक्षर पटेल को फिट देखना चाहती है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच का कहना है कि वे फाइनल फिफ्टीन में नहीं होंगे, लेकिन टीम के मेंटॉर हो सकते हैं। यदि अक्षर पटेल विश्व कप से पहले अपनी मैच फिटनेस साबित करने में असमर्थ रहते हैं तो अश्विन टीम में जगह बनाने में सफल हो सकते हैं। हालांकि, फिंच का मानना है कि अश्विन को विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह मिलना मुश्किल होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच राजकोट में होने वाले तीसरे वनडे मैच से पहले स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए फिंच ने इन-फॉर्म अश्विन के खिलाफ एक साहसिक बयान जारी किया और कहा कि वे इस मेगा इवेंट में मेटॉर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वह (अश्विन) अंतिम 15 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, लेकिन एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने इतना क्रिकेट खेला है, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मौजूदा सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ मौजूद बाकी खिलाड़ी बड़े गेमप्ले के बारे में बहुत कुछ उनसे सीख सकते हैं। अश्विन ऐसे खिलाड़ी हैं, जो बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, चाहे वह टेस्ट मैच हो या टी20 मैच, उन्होंने अपने पूरे करियर में ऐसा किया है। इसलिए मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा अगर वह इस समय समूह में एक मेंटॉर के रूप में मौजूद हों, लेकिन दुर्भाग्यवश, मैं उन्हें अंतिम 15 में जगह बनाते नहीं देख रहा हूं।"

बाबर आजम को पुलिस ने पकड़ा और काट दिया चालान, पाक कप्तान को इस गलती की मिली सजा

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने एक बार फिर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया है। पाकिस्तान ट्रैफिक पुलिस ने बाबर को पकड़ा और चालान काट दिया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि बाबर का ओवर-स्पीडिंग यानी तेज रफ्तार कार चलाने के कारण चालान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाबर लाहौर में ऑडी कार से हाईवे पर ओवर स्पीडिंग की। बाबर के पुलिस के हत्थे चढ़ने को लेकर यूजर्स अपने-अपने अंदाज में रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बाबर आजम और चालान - लव स्टोर जारी है। अन्य ने कहा, लगता है कि बाबर वर्ल्ड कप 2023 में खेलने के लिए अपनी कार से अटारी-वाघा बॉर्डर पार करने की कोशिश कर रहे थे।

मुशफिकुर रहीम ने खुद को ही किया क्लीन बोल्ड

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी वनडे इंटरनेशनल मैच ढाका में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पूरी टीम 34.3 ओवर में महज 171 रनों पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश की ओर से सबसे ज्यादा रन नजमुल हुसैन शांटो के बल्ले से निकले, उन्होंने 76 रनों की पारी खेली, जबकि बाकी सभी खिलाड़ी ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक भी नहीं पाए। महमूदुल्लाह ने 21 रन बनाए और वह बांग्लादेश की ओर से दूसरे बेस्ट स्कोरर रहे। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने ने चार विकेट चटकाए, जबकि कप्तान लॉकी फर्गुसन ने एक विकेट लिया। उनका एक विकेट भी ऐसा था, जो काफी मजेदार था, दरअसल यह विकेट उन्हें खुद बल्लेबाज ने दिला दिया। बांग्लादेश के सबसे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 18 रन बनाकर आउट हुए। मुशफिकुर क्रिकेट के मैदान पर फुटबॉल खेलने चले और इसका खामियाजा उन्हें अपना विकेट गंवाकर उठाना पड़ा। फर्गुसन की गेंद रोकने के लिए मुशफिकुर ने अपने पैर का इस्तेमाल किया और अपना पैर उन्होंने स्टंप पर ही दे मारा। इस तरह से बांग्लादेश ने अपना चौथा विकेट गंवाया था। बांग्लादेश ने 35 रनों तक तीन विकेट गंवाए थे। इसके बाद शांटो और मुशफिकुर ने मिलकर पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने मिलकर पारी को कुछ हद तक संभाला भी लेकिन फिर मुशफिकुर की बेवकूफी बांग्लादेश को काफी भारी पड़ गई। इस तरह से बांग्लादेश ने 88 रनों पर अपना चौथा विकेट गंवाया। ट्रेंट बोल्ट और कोल मैकॉन्ची ने दो-दो विकेट लिए। वहीं रचिन रविंद्र के खाते में भी एक विकेट गया।

स्टीव स्मिथ के बैड लक पर मिशेल स्टार्क का बड़ा बयान

वह शानदार खिलाड़ी है लेकिन...

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष कर रहे हैं लेकिन तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने मंगलवार को कहा कि टीम के लिए यह चिंता का सबब नहीं है। स्मिथ आम तौर पर भारत के खिलाफ बड़ी पारियां खेलते हैं लेकिन तीन वनडे मैचों की सीरीज के शुरुआत दो मुकाबलों में उन्होंने 41 और शून्य रन का स्कोर बनाया है। वह इस साल फरवरी मार्च में भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में महज 145 रन ही बना सके थे।

चोट से वापसी कर रहे स्टार्क ने भारत के खिलाफ तीसरे मैच की पूर्व संध्या पर कहा, वह शानदार खिलाड़ी है। वह हर प्रारूप में टीम के सबसे अहम खिलाड़ियों में से हैं। यह सामंजस्य बिठाने के बारे में है। हम दक्षिण अफ्रीका के दौरे से भारत आ रहे हैं। कई खिलाड़ी टीम में वापसी कर रहे हैं। स्टार्क ने टीम को शुरुआती दोनों मैचों में मिली शिकस्त के बारे में पूछे जाने पर कहा, हमने महसूस किया दोनों मैचों में पिच में थोड़ा बदलाव आया। इंदौर में शाम में स्पिन ने बड़ी भूमिका निभाई। हमने मोहाली में दुधिया रोशनी में अच्छा प्रदर्शन किया था।

स्टार्क ने वर्ल्ड कप के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम को खिताब का दावेदार बताते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया को लय हासिल करने के लिए यहां की परिस्थितियों के मुताबिक ढलना होगा।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को दिया 172 रन का लक्ष्य

मीरपुर, 26 सितंबर। बंगलादेश बनाम न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबल में आज टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम 34.3 ओवर में 171 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। ढाका के शेर ए बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों ओपनर बल्लेबाज तंज़िद हसन (5) रन और जाकिर हसन को एक रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। तंजिद हसन को बोल्ट ने एलन के हाथों कैच करवा।

वही जाकिर हसन को मिल्ने ने बोल्ड आउट किया। इस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर आठ रन था। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने संभल कर खेलते हुए 84 गेंदों में 76 रन बनो। उन्हें मैककोन्ची ने पगबाधा आउट किया। तौहीद हृदयोय और मुशफिकुर रहीम टीम के स्कोर में 18-18 रन का योगदान दिया। महमूदुल्लाह ने 27 गेंदों में 21 रन बना कर मिल्ने की गेंद पर ब्लंडेल को कैच थमा बैठे। मेहदी हसन 14 गेंदों पर 13 रन बनाये और उसे बोल्ड ने ब्लंडेल के हाथों कैच करा कर पवेलियन भेज दिया।

आउट होने से बचने के लिए कर बैठे बच्चों वाली हरकत, वीडियो देख फैंस ने उड़ाई खिल्ली

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का निर्णायक मैच ढाका में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पूरी टीम 34.3 ओवर में 171 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन नजमुल हुसैन शांतो के बल्ले से निकले जिन्होंने 76 रन की पारी खेली।मैच में एक विकेट ऐसा देखने को मिला जिसकी वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का निर्णायक मैच ढाका में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पूरी टीम 34.3 ओवर में 171 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन नजमुल हुसैन शांतो के बल्ले से निकले जिन्होंने 76 रन की पारी खेली।मैच में एक विकेट ऐसा देखने को मिला जिसकी वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मैच में एक विकेट ऐसा देखने को मिला जिसकी वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस विकेट में बल्लेबाज को चालाकी दिखाना भारी पड़ा और उसने खुद को ही आउट कर दिया। बता दें कि बांग्लादेश के सबसे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 18 रन बनाकर आउट हुए।

श्रीलंका के वर्ल्ड कप 2023 स्क्वॉड की हुई घोषणा

शनाका पर सस्पेंस से उठा पर्दा, स्टार हसरंगा हुए बाहर

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। श्रीलंका ने मंगलवार (26 सितंबर) को आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपने 15 सदस्यीय की घोषणा कर दी। एक खिलाड़ी को ट्रेविंग रिजर्व के रूप में जोड़ा गया है। दासुन शनाका वर्ल्ड कप में श्रीलंका की कमान संभालेंगे।

बता दें कि एशिया कप फाइनल में श्रीलंका की करारी शिकस्त के बाद शनाका को कप्तान बनाए रखने को लेकर पिछले कुछ दिनों से सस्पेंस था। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) आगामी वर्ल्ड कप में शनाका की जगह किसी और प्लेयर को कप्तान बना सकता है। वहीं, श्रीलंका को एक बड़ा झटका लगा है। स्टार स्पिनर वनिंदु हसरंगा वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे। वह चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं।

हसरंगा के पिछले महीने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के प्लेऑफ के दौरान जांघ में खिंचाव आ गया था। वह एलपीएल में 279 रन के साथ टॉप रन स्कोरर और 19 शिकार के संग लीडिंग विकेटटेकर थे।। इसके बाद, हसंराग को चोट के कारण एशिया कप से बाहर होना पड़ा था। एसएलसी को उम्मीद थी कि हसरंगा वर्ल्ड कप के लिए फिट हो जाएंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बतायाजा रहा है कि हसरंगा की अगर सर्जरी हुई तो वह कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट से दूर हो सकते हैं। हसरंगा के बाहर होने के बावजूद श्रीलंका काफी संतुलित टीम लग रही है। पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने और कुसल मेंडिस के कंधों पर शीर्ष क्रम की जिम्मेदारी होगी। मध्यक्रम में सदीरा समरविक्रमा, कुसल परेरा, चरिथ असलांका और धनंजय डी सिल्वा हैं। शनाका, धनंजय, डुनिथ वेल्लालागे और असलांका ऑलराउंडर्स कीभूमिका निभाएंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में कसुन राजिथा, दिलशान मदुशंका, लाहिरू कुमारा और मथीशा पथिराना हैं। स्पिन आक्रमण की अगुवाई महीश थीक्षणा करेंगे। उनका साथ वेल्लालागे और धनंजय जैसे खिलाड़ी देंगे। वर्ल्ड कप का आयोजन भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा। श्रीलंका टीम अपने अभियान का आगाज 7 अक्टूबर को करेगी।

'विधायकों के इस्तीफों पर स्पीकर कितने दिनों तक बिना निर्णय लिए बैठे रह सकते हैं?'

राजेन्द्र राठौड़ ने हाईकोर्ट में कहा कि, "स्पीकर द्वारा अनिर्णय की स्थिति बनाए रखना आलाकमान को दबाव में लाने का नया तरीका है, जो ना केवल लोकतंत्र के साथ मजाक है, बल्कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है।"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कांग्रेस के 81 विधायकों द्वारा विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे देने से जुड़े मामले में लंबित याचिका में संशोधन के लिए एक सप्ताह का समय देते हुए मामले की सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान विधानसभा सचिव की ओर से ए.जी. एम.एस. सिंघवी और अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जनहित याचिका में कांग्रेस विधायकों के इस्तीफों पर स्पीकर की ओर से निर्णय कराने का आग्रह किया था। स्पीकर ने गत 13 जनवरी को इस्तीफों पर अपना फैसला दे दिया है। ऐसे में याचिका में की गई प्रार्थना पूरी हो गई है, "इसलिए याचिका को निस्तारित किया जाए"।

वहीं राजेन्द्र राठौड़ ने अपने अधिवक्ता हेमंत नाहटा के साथ संयुक्त रूप से पैरवी करते हुए कहा कि विधानसभा स्पीकर ना तो सदस्यों के इस्तीफों की कॉपी रिकॉर्ड पर लाए और ना ही उनके इस्तीफों में जांच के आदेश ही दिए। राठौड़ की ओर से अदालत को बताया गया कि, "स्पीकर ने एमएलए के इस्तीफों पर फैसला देने में 113 दिन की देरी की है। ऐसा करना कांग्रेस के आलाकमान को दबाव में लाए जाने का एक नया तरीका है, जो ना केवल लोकतंत्र के साथ मजाक है बल्कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था के लिए भी घातक है।" ऐसे में अदालत इस बिंदु पर भी संज्ञान लेकर स्पीकर की ओर से एमएलए के इस्तीफों पर निर्णय करने की वैध अवधि भी तय करे, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो।

राजस्थान के कांग्रेस विधायकों द्वारा स्पीकर को सौंपे गए इस्तीफा प्रकरण को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने वाले नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भी मंगलवार को अदालत पहुंचे।

- **इस पर अदालत ने राठौड़ के दलीलों को संगीनता से लेते हुए कांग्रेस के 81 विधायकों द्वारा राजस्थान विधानसभाध्यक्ष को इस्तीफे देने से जुड़े मामले में लंबित याचिका में संशोधन के लिए एक सप्ताह का समय देते हुए अब मामले की सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है**

गौरतलब है कि जनहित याचिका में कहा गया था कि कांग्रेस के विधायकों ने 25 सितंबर 2022 को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद 18 अक्टूबर, 19 अक्टूबर, 12 नवंबर और 21 नवंबर को याचिकाकर्ता ने स्पीकर को प्रतिवेदन देकर उनके इस्तीफों पर निर्णय करने का आग्रह किया था, लेकिन स्पीकर ने एमएलए के इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया है। इसलिए स्पीकर से एमएलए के इस्तीफों पर निर्णय कराए जाए।

पडौसी राज्यों के भाजपा नेता डालेंगे राजस्थान में डेरा

जयपुर। विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा ने आक्रामक और खास रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में प्रवासी सांसदो और विधायकों की बैठक ली। इसमें नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री एंव प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी नितिन पटेल, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर और चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया मौजूद रहे। इस दौरान सभी को विधानसभावार कार्यक्रम आवंटित किए गए। इन सभी कार्यक्रमों का समन्वय प्रदेश मुख्यालय पर किया जाएगा। वही परिवर्तन संकल्प यात्रा के बाद अब पडौसी राज्यों के भाजपा नेता राजस्थान में कैंप कर पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। उत्तरप्रदेश, दिल्ली व हरियाणा सहित कई राज्यों के बड़े नेता जिलों में विधानसभा चुनाव तक प्रवास कर और संगठन को एकजुट करने का काम करेंगे। दूसरे राज्यों के भाजपा नेताओं के प्रवास को लेकर आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय में समन्वय बैठक हुई। जिसमें सभी जिलाध्यक्ष जिला प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारी सहित पडौसी राज्यों के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक में यात्रा को लेकर भी जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारी ने प्रदेश नेतृत्व के सामने फीडबैक दिया। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों के साथ संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

मेयर पद से पुनः निलंबन को मुनेश ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार की ओर से हैरिटेज नगर निगम जयपुर की महापौर मुनेश गुर्जर को गत 22 सितंबर को आदेश जारी कर वापस निलंबित करने की कार्रवाई की थी। सरकार के इस फैसले को मुनेश गुर्जर ने मंगलवार को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी है। मुनेश गुर्जर की इस याचिका पर बुधवार को सुनवाई होगी। वहीं दूसरी ओर मामले में राज्य सरकार की ओर से कैवियट पेश की गई है। ऐसे में अब हाईकोर्ट दोनों पक्षों को सुनकर अंतरिम आदेश पारित करेगा।

याचिका में प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव व निदेशक सहित अन्य को पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने प्रार्थिया का निलंबन नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। मामले में उसके खिलाफ प्रावधानों के खिलाफ जाकर जांच की गई और इसमें वो ही तथ्य थे जो कि पंचनामा रिपोर्ट व एफआईआर से साबित नहीं हो पाए हैं। इसलिए उसके निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाकर उसे रद्द किया जाए। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने मुनेश को दुबारा निलंबित करने वाले आदेश में कहा है कि नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों के तहत उन पर पद के दुरुपयोग व कर्तव्य पालन में प्रतिकूल आचरण का आरोप लगाया है।

- **मुनेश गुर्जर की इस याचिका पर हाईकोर्ट में आज सुनवाई होगी**

नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से रिश्वत मांगने से जुडे मामले में प्रथम दृष्टया मुनेश भी शामिल है और इसके लिए वह भी पूरी तरह से दोषी व उत्तरदायी है। ऐसे में उसे मेयर पद से निलंबित किया जा रहा है। इससे पहले भी राज्य सरकार ने मुनेश को उनके पति सुशील गुर्जर से जुडे इसी मामले में शामिल मानते हुए निलंबित किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं बाद में राज्य सरकार ने निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था।

'जल व स्वच्छता संस्थान की कैग ऑडिट क्यों नहीं?'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल एवं स्वच्छता संस्थान की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से ऑडिट नहीं कराने पर राज्य सरकार, जल एवं स्वच्छता संस्थान और कैग से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी और अधिवक्ता टीएन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीएचईडी विभाग के अधीन कार्य करने वाले जल एवं स्वच्छता संस्थान को केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से करोड़ों रुपए का बजट मिलता है। संस्थान की ओर से करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी खातों का ऑडिट सरकारी संस्था से नहीं कराया जाता। जबकि कैग एक्ट की धारा 14(1) में प्रावधान है कि जिस सरकारी संस्थान को केन्द्र या राज्य सरकार से 25 लाख रुपए से अधिक का फंड मिलता है तो उस संस्थान की कैग ऑडिट जरूरी है। इसके अलावा राज्य सरकार के सामान्य वित्त एवं लेखा नियम के तहत राज्य सरकार के सभी फंड की ऑडिट राज्य के विभाग से करना जरूरी है।

"रन फॉर आमेर" मैराथन में 5 दिन तक दौड़ेंगे हजारों युवा

जयपुर (कासं)। आमेर विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां विकास, रोजगार और खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हमेशा अनूठी पहल कर नवाचार करते हैं। इसी क्रम में उन्होंने पांच दिवसीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता "रन फॉर आमेर" का मानपुरा से मंगलवार सुबह 6:15 बजे शंखनाद किया। आरसीए क्रिकेट स्टेडियम चौप से दौलतपुरा टोल प्लाजा तक आयोजित की गई "रन फॉर आमेर" मैराथन में युवाओं ने हजारों की संख्या में हिस्सा लिया, जिसमें प्रथम स्थान रोहित खोजी गुर्जर, द्वितीय स्थान विजेंद्र गुर्जर और तृतीय स्थान रवि प्रजापत ने प्राप्त किया, जिन्हें सतीश पूनियां और स्थानीय गणमान्य बड़े-बुजुर्गों ने सम्मानित किया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। बता दें कि आज से लेकर 30 सितंबर तक पांच दिवसीय आमेर मैराथन का सभी पांच मंडलों में सुबह 6:15 बजे आयोजन के कार्यक्रम हैं। बुधवार 27 सितंबर को रामपुरा मंडल में एन. के. पब्लिक सी.से. स्कूल, सीकर रोड, राजावास के सामने से टांटियावास टोल प्लाजा तक, 28 सितंबर को अचरोल में चंदवाजी स्कूल ग्राउंड पर, 29 सितंबर को जालसू मुख्य स्टैंड से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक, 30 सितंबर को आमेर शहर में "रन फॉर आमेर" मैराथन आयोजित की जायेगी।

कार्यक्रम में आमेर प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भगवान, समाजसेवी लालचंद बागड़ा सहित स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सतीश पूनियां आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बड़े स्तर पर विभिन्न कंपनियों के माध्यम से रोजगार मेला का आयोजन कर चुके हैं और हेल्थ की जागरूकता के लिये स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन इत्यादि कार्यक्रम भी कर चुके हैं।

उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां ने मंगलवार सुबह मानपुरा में मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाई।

'पाकिस्तान में अलग खालिस्तान क्यों नहीं मांगते'

कैनडा के पत्रकार ने यह सवाल उठाया और कहा कि, महाराजा रणजीत सिंह लाहौर में शासन करते थे, उस हिसाब से सबसे पहले अलग पंजाब और खालिस्तान की मांग पाकिस्तान वाले हिस्से के लिए होनी चाहिये

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कैनडा में बैठे खालिस्तानी भारत विरोधी एजेंडा चला रहा हैं और वहां के पी.एम. जस्टिन ट्रूडो के बयान ने तो दोनों देशों के रिश्ते ही पटरी से उतार दिए हैं। खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंसियों का हाथ बताया है, जबकि भारत ने इसे खारिज करते हुए सबूत की मांग की है। हालात तो तब बिगड़ गए, जब कैनडा स्थित भारतीय दूतावास और राजनयिक दफ्तरों के बाहर एक बार फिर से खालिस्तानियों ने प्रदर्शन किया। सिख्स फॉर जस्टिस, बब्बर खालसा और खालिस्तान टाइगर फोर्स जैसे उग्रवादी संगठन लंबे समय से सिखों के लिए अलग देश की मांग कर रहे हैं।

- पत्रकार टेरी माइलवस्की ने कहा कि, अब महाराजा रणजीत सिंह की राजधानी लाहौर और गुरु नानक देव की जन्मस्थली तो पाकिस्तान में ही है। इसलिए उन्हें शामिल किए बिना कैसा सिख राज्य बनाना चाहते हैं? इन खालिस्तानियों का पाकिस्तान से सिख साम्राज्य के हिस्से की मांग न उठाना ही सवाल खड़े करता है।

इन संगठनों में सक्रिय ज्यादातर लोग पंजाब के बाहर के ही हैं। ऐसे लोग हैं, जो कैनडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में बसे हैं। इन लोगों की ओर से रेफरेंडम 2020 का कैंपेन भी बीते सालों में चलाया गया था, जो फेल प्रोजेक्ट रहा। वहीं कैनडा के ही नामी पत्रकार और खालिस्तान पर लंबी रिसर्च करके पुस्तक लिखने वाले टेरी माइलवस्की उनकी मांग को ही खारिज करते हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि खालिस्तानियों की मांग ही गलत है।

वह ऐतिहासिक सवाल उठाते हुए कहते हैं कि जिस सिख राज्य की मांग ये लोग करते हैं, उसकी स्थापना तो महाराजा रणजीत सिंह ने की थी और उनकी सीट पाकिस्तान के लाहौर में थी। भारत विभाजन के चलते पंजाब के भी दो टुकड़े हुए और बड़ा हिस्सा पाकिस्तान चला गया। अब महाराजा रणजीत सिंह की राजधानी लाहौर और गुरु नानक देव की जन्मस्थली तो पाकिस्तान में ही है। इसलिए उन्हें शामिल किए बिना कैसा सिख राज्य बनाना चाहते हैं? वह कहते हैं कि इनका पाकिस्तान से सिख साम्राज्य के हिस्से की मांग न उठाना ही सवाल खड़े करता है। वह कहते हैं कि यही चीजें तो सिख संस्कृति का मूल हैं और यदि इनकी ऐसी कोई मांग है ही तो पाकिस्तान से क्यों नहीं करते। खालिस्तानियों का पाकिस्तान से दोस्ताना रवैया ही सवाल खड़े करता है। यही नहीं खालिस्तानी संगठनों में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर टेरी माइलवस्की कहते हैं कि इसमें कोई दोराय तो नहीं है। वह कहते हैं कि यदि खालिस्तान जैसी कोई चीज अस्तित्व में आती है तो निश्चित है कि वह भारत से फ्रेंडली नहीं रहेगा।

मध्य प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभूतपूर्व है हमारे सभी शीर्ष नेता मुकाबला करेंगे जिससे हमारी भारी जीत सुनिश्चित होगी।

कश्मीर में एक साथ आठ आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, 26 सितम्बर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में दो बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके एक आतंकवादी और दो महिलाओं समेत आठ सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

मॉड्यूल नियंत्रण रेखा के पार से तस्करी कर लाए गए हथियारों को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को आपूर्ति करने में शामिल था। उन्होंने कहा

- सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में दो बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके एक आतंकवादी और दो महिलाओं समेत आठ सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

कि जिले में हाल के दिनों में इन दो मॉड्यूल के भंडाफोड़ से बलों को बड़े आतंकवादी हमलों को नाकाम करने में मदद मिली है। एस.एस.पी. बारामूला ने कहा कि पहले मॉड्यूल का भंडाफोड़ 14 सितंबर को किया गया था, जिसमें पुंछ जम्मू के एक निवासी सहित तीन आतंकवादी सहयोगियों की गिरफ्तारी हुई थी। नागपुरे ने कहा कि बारामूला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमोद नागपुरे ने यह जानकारी दी।

बनारस के विद्वान करायेंगे रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 15 से 24 जनवरी तक आयोजित होगा

अयोध्या, 26 सितम्बर। रामजन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा काशी के विद्वान करेंगे। गत 11 सितंबर को काशी के कर्मकांडियों का दल इस निमित्त रामजन्मभूमि परिसर का भ्रमण भी कर चुका है और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का संयोजन कर रहे रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को आवश्यक व्यवस्था संबंधी निर्देश भी दे चुका है।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए मुहूर्त का निर्धारण भी काशी के ही विद्वानों ने किया है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव तो 15 से 24 जनवरी तक संयोजित है, लेकनि काशी के मूर्धन्य कर्मकांडी पं. लक्ष्मीकांत दीक्षित के उत्तराधिकारी पं. जयकृष्ण दीक्षित के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान 17 से 22 जनवरी के बीच संपन्न होगा और इसका आरंभ राम मंदिर के ईशानकोण पर स्थित उस स्थल पर पूजन से होगा, जहां कभी फकीरेराम मंदिर था।

- रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले विद्वानों के दल में दो वर्ग होंगे।

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के अनुसार, कांची के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने प्राण प्रतिष्ठा के महोत्सव की महत्ता के अनुरूप काशी के विद्वानों को इस कार्य के लिए प्रेरित किया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले विद्वानों के दल में दो वर्ग होंगे। इसमें एक वर्ग ज्योतिषियों का होगा, जिसका नेतृत्व प्रख्यात ज्योतिषी गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ करेंगे। जबकि दूसरा वर्ग कर्मकांडियों का होगा, जिसमें लक्ष्मीकांत दीक्षित की शिष्य मंडली शामिल होगी।

रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ अन्य अनुष्ठानों के माध्यम से भी रामलला के प्रति अनुराग अर्पित होगा।

दिल्ली और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया बताते हैं कि टिकट-वितरण का आधार सुनील का सर्वे ही रहना चाहिए, लेकिन गहलोत निश्चित रूप से इससे असहमति व्यक्त करना चाहेंगे।

'हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य न्यायाधीश और वरिष्ठतम जज हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के लिए जजों के नाम की सिफारिश करते हैं। ये नाम केन्द्र सरकार को भेजे जाते है और वहां से हरी झंडी मिलने के बाद राष्ट्रपति नियुक्ति देते हैं।

अमित शाह व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकाश चन्द्र, निम्बाराम, रामप्रसाद से भी चर्चा कर सकते हैं।

गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री मोदी की "परिवर्तन संकल्प महासभा" के बाद भाजपा में उत्साह का माहौल है। प्रदेशभर में मोदी की सभा को लेकर चर्चाएं हैं, कि ऐसी ऐतिहासिक सभा राजस्थान में कभी देखने को नहीं मिली। परिवर्तन संकल्प महासभा की ऐतिहासिक सफलता से प्रदेश भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल है।

मुम्बई के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहकारी बैंक के पास यथेष्ट पूंजी तथा कमाई की क्षमता एवं संभावना नहीं है। कपोल सहकारी बैंक चालू वित्तीय वर्ष के जमाकर्ताओं को पूरा पैसे का भुगतान करने की स्थिति में नहीं है। इस स्थिति में, बैंक रेग्यूलेशन एक्ट 1949 की धारा 11 (1) , धारा 23 (3) के साथ ही, धारा 56 का उल्लंघन हो रहा है। इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने कहा, "बैंक का बना रहना जमाकर्ताओं के लिये नुकसानदेह है।" बैंक अब न तो जमाएं स्वीकार कर सकेगा और न जमाओं का पुनर्भुगतान कर सकेगा।

जमाकर्ताओं के पैसे का क्या होगा?

मुम्बई में स्थित इस बैंक का लाइसैंस रद्द कर दिया गया है। इसके बावजूद, कोई भी जमाकर्ता "डिपोजिट" इंश्योरैंस एवं क्रैडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डी.आई.सी.जी.सी.) के तहत 5 लाख तक की जमा का क्लेम कर सकता है। इसके अधिक जमाराशि का दावा पेश नहीं किया जा सकेगा। डेटा के अनुसार, इस समय करीब 96.09 प्रतिशत ग्राहक डी.आई.सी.जी.सी. से अपनी पूरी राशि पाने के हकदार हैं।

शाहनवाज हुसैन को कार्डियक अरैस्ट हुआ, एंजियोप्लास्टी के बाद स्टेंट डाला गया

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन को मंगलवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आज शाम उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान शाहनवाज की एंजियोप्लास्टी की। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश विजान ने उनका ऑपरेशन किया। सीनियर कंसल्टेंट डॉ. जलील पारकर की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

- भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन गणेश दर्शन और पार्टी से जुड़े दूसरे कामों के लिए मुंबई गए हुए थे, मंगलवार शाम को उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और एसिडिटी की शिकायत के बाद लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।
- डॉक्टर्स के मुताबिक, शाहनवाज हुसैन फिलहाल आई.सी.यू. में हैं और उन्हें बुधवार को वॉर्ड में शिफ्ट किया जाएगा।

शाहनवाज हुसैन गणेश दर्शन और पार्टी से जुड़े दूसरे कामों के लिए मुंबई गए हुए थे। इसी दौरान उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और एसिडिटी की शिकायत हुई। इसके बाद मुंबई बीजेपी प्रमुख आशीष शेलार ने उन्हें लीलावती अस्तपाल भेजा। शुरुआत में शाहनवाज ने बताया कि उन्होंने देर से डिनर किया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका "2डी" इको किया और सब कुछ सामान्य मिला। इसके बाद उनकी एंजियोग्राफी की गई। इस दौरान डॉक्टरों को एक ब्लॉक मिला और फिर स्टेंट डाला गया।

गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के कोटपूतली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पुत्र त्रिभुवन यादव डायरेक्टर हैं। वहीं, कोटपुतली में राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकेजिंग फैक्ट्री के नाम से कंपनी है। इसमें पैकेजिंग के लिए कट्टे बनाए जाते हैं। इन्कम टैक्स की रेड के वक्त मिड-डे मील सप्लाई में गड़बड़ी से जुड़े मामले में यह फैक्ट्री रडार पर थी। मंत्री यादव इस कंपनी के डायरेक्टर हैं। कंपनी के प्रबंधक मधुर यादव हैं जो कि राजेन्द्र यादव के बड़े बेटे हैं।

इधर, शाम को ईडी की कार्रवाई के बाद मंत्री राजेन्द्र यादव ने जयपुर पहुंचकर मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि, मेरा कोई लेना देना नहीं है। मुझे सिर्फ बेवजह परेशान किया जा रहा है। यादव ने कहा कि, पहले इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट ने छापे मारे, अब मेरे घर पर ईडी आई है। मेरे दोनों बेटों के मोबाइल जब्त किए हैं। मिड-डे मील की सप्लाई का काम बेटे करते हैं और काम करना कोई अपराध नहीं है। अगर करोना के समय मेरे बच्चों को सप्लाई दी गई तो कोई गुनाह नहीं किया। मेरा भुगतान भी पिछले महीने ही हुआ है।

यादव ने कहा कि, आज कोटपूतली में मेरे दो बेटों के घर पर सर्च की गई है। अभी दो की सर्च रिपोर्ट आएगी। एक रिपोर्ट आ गई है, उसमें कोई सीज़र नहीं है। केवल 2 मोबाइल जब्त किए हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार की एजेन्सी ने माल लिया, उसमें हमारा क्या लेना देना है। हम बैग बनाते हैं। कल को उस बैग में कोई क्या ले जाए, उसमें मेरा क्या लेना देना। कमोडिटी कभी ज्यादा होती है, कीमत में, कभी कम होती है। हमारा तो विवाद भी हुआ पेमेंट को लेकर। हमने मुकदमा भी दर्ज किया है। मिड-डे मील में न तो हम सप्लायर हैं न मेरे बच्चों ने माल दिया है। उन्होंने कहा, भाजपा में जाने की चर्चाएं गलत हैं। मैं कम्फर्ट ज़ोन में हूँ। चुनाव आते हैं, उसके पहले इस तरह की कार्रवाई होती है।

राजेंद्र यादव ने कहा कि, आचार संहिता लगने से पहले इस तरह की कार्रवाई हो रही है। मैं सत्ता का भूखा नहीं हूं। चुनाव लड़ूंगा, लेकिन रहूंगा कांग्रेस में। पार्टी मेरे साथ खड़ी भी है और मैं भी सक्षम हूं, अपनी लड़ाई लड़ने में। मैं लीगल और राजनीतिक लड़ाई लड़ता रहूंगा। मंत्री ने कहा, ईडी ने मुझे नहीं, मेरे दोनों बेटों को बुलाया है। मेरे विपक्ष के लोग आज खुशियां मना रहे हैं। मैंने खुद ने पुरानी अलमारी, जिसकी चाबी खो गई थी, उसे तोड़ने को कहा था। मैं अलग तरह का व्यक्ति हूं। सत्य को कोई दबा नहीं सकता। मैं किसी से नहीं डरता।

कांग्रेस का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि गत सप्ताह जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया था तब राहुल ने ओ.बी.सी. महिलाओं को आरक्षण देने की मांग की थी। कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने महिलाओं के साथ धोखा किया है क्योंकि इसका क्रियान्वयन 10 साल बाद होगा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908